● जयपुर, गुरुवार, 30 नवंबर 23 ● वर्ष 01 ● अंक 104 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.com | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

चमकता राजस्थान

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये कदम

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● **स्वामी विवेकानंद**

पेज @3 जयपुर विकास प्राधिकरण ने दिया प्रभावी कार्रवाई को अंजाम...

पेज @4 देश से नफरत मिटाना मेरा मकसद, इसके लिए मोदी को ...

पेज @8 सांसद दिया कुमारी के प्रयास रंग लाये,पुष्कर-मेड़ता और...

1 लाख रुपये, 20 दिन की छुट्टी... सुरंग से 17 दिन बाद बाहर निकाले गए मजदूरों पर मेहरबान हुए सीएम धामी

देहरादून/एजेंसी।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के सिलक्यारा सुरंग में फंसे मजदूर बीती रात जैसे ही बाहर निकले देशवासियों ने राहत की सांस ली। सुरंग से निकले कुछ श्रमिकों के चेहरों पर मुस्कान थी तो कुछ के चेहरे 17 दिन की परेशानियों के बाद थके हुए दिख रहे थे।वहीं उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि सुरंग से बाहर निकाले गए 41 मजदूरों में किसी की भी हालत गंभीर नहीं है. सभी स्वस्थ हैं। वे स्ट्रेचर पर ले जाने के बजाय रेंगकर पाइप से बाहर आए। मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जहां उनका मेडिकल चेकअप होगा। इसके बाद मजदूर अपने अपने घर जा सकेंगे. मुख्यमंत्री धामी ने कहा, मजदूर नेशनल हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए काम रहे थे। एजेंसी ने मजदूरों को 15-20 दिनों के लिए घर जाने की अनुमति दी है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि सभी 41 मजदूरों को एक एक लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी।

वहीं इस दौरान ओडिशा के मयूरभंज जिले में धीरेन और बेनुधर के एक रिश्तेदार ने कहा, यह उनके लिए एक नए जन्म की तरह है। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती के छह श्रमिकों के परिवारों ने घर के चारों ओर मोमबत्तियां और दीपक जलाए। मिर्जापुर के रहने वाले अखिलेश की मां अंजू ने कहा, अब हम दिवाली मनाएंगे क्योंकि मेरा बेटा सुरक्षित है। श्रमिकों के सुरक्षित निकलने के बाद कुछ लोगों ने 'भारत माता की जय' और 'मोदी है तो मुमकिन है' जैसे नारे लगाए।

पीएम मोदी ने सुरंग से निकाले गए श्रमिकों से फोन पर बात की, बचाव अभियान को बताया मिसाल

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखंड में एक निर्माणाधीन सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को बचाने के सफल अभियान की सराहना की। साथ ही कहा कि मिशन में शामिल सभी लोगों ने मानवता और एक दल के रूप में काम करने का अद्भुत उदाहरण पेश किया है।अधिकारियों ने बताया कि मोदी ने बचाए गए निर्माण श्रमिकों से फोन पर बात की और उनका हालचाल पूछा। मोदी ने यह भी कहा कि विभिन्न एजेंसियों के इस बचाव अभियान ने सभी को भावुक कर दिया है। उत्तरकाशी में सिल्क्यारा सुरंग से श्रमिकों को बाहर निकाले जाने के तुरंत बाद 'एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने अभियान में शामिल लोगों के जज्बे को सलाम किया और कहा कि उनके साहस एवं संकल्प ने 41 मजदूरों को नया जीवन दिया है। उन्होंने कहा, मिशन में शामिल सभी लोगों ने मानवता और टीम वर्क का एक अद्भुत उदाहरण पेश किया है। मोदी ने बचाए गए 41 श्रमिकों को संबोधित करते हुए कहा कि उनके साहस और धैर्य ने सभी को प्रेरित किया है। मोदी ने उनके अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण की कामना की।

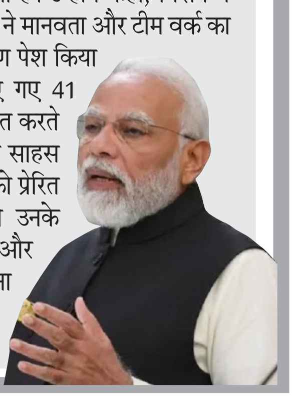

फास्ट टेक

सरकार की बड़ी कार्रवाई, 70 लाख मोबाइल नंबर किए बंद

नई दिल्ली/एजेंसी। सरकार ने एक बड़ा एक्शन लेते हुए 70 लाख मोबाइल नंबर को सस्पेंड कर दिया है। यानी इन मोबाइल नंबर का इस्तेमाल पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। अब आपके जेहन में ही यही सवाल आ रहा होगा कि आखिर सरकार की ओर से यह कदम क्यों उठाया गया है। दरअसल, यह कदम बढ़ते डिजिटल फ्रॉड को देखते हुए उठाया गया है। सस्पेंड किए गए ये वे मोबाइल नंबर थे जो किसी तरह के संदिग्ध लेन-देन से जुड़े थे। दरअसल, इस मामले को लेकर वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी ने मंगलवार को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इंटरनेट के समय में डिजिटल पेमेंट को लेकर हो रही धोखाधड़ी को देखते हुए ऐसा किया गया है। बता दें, वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी ने यह जानकारी डिजिटल पेमेंट को लेकर धोखाधड़ी और इससे जुड़े मुद्दों पर बैठक के बाद दी है। जोशी ने कहा है कि डिजिटल फ्रॉड के बढ़ते मामलों को देखते हुए बैंकों को भी निर्देश दिए गए हैं। बैंकों को उनकी प्रक्रियाओं और प्रणालियों को पहले से मजबूत बनाने को कहा गया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंती नटराजन की मुश्किलें बढ़ीं, सीबीआई ने दाखिल की क्लोजर रिपोर्ट

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्रीय जांच ब्यू-रो (सीबीआई) ने छह साल की जांच के बाद झारखंड में 2012 में एक स्टील प्लांट के लिए वन भूमि के डायवर्जन को लेकर पूर्व केंद्रीय पर्यावरण मंत्री जयंती नटराजन के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में क्लोजर रिपोर्ट दायर की है। सीबीआई सूत्रों ने कहा कि एजेंसी ने पिछले सप्ताह एक विशेष अदालत के समक्ष क्लोजर रिपोर्ट दायर की, जिसमें कहा गया कि उसे अभियोजन आगे बढ़ाने के लिए मामले में पर्याप्त सबूत नहीं मिले। सीबीआई ने इलेक्ट्रोस्टील कास्टिंग लिमिटेड (ईसीएल) के तत्कालीन प्रबंध निदेशक नटराजन, उमंग केजरीवाल और कंपनी के खिलाफ तीन साल की लंबी प्रारंभिक जांच के बाद 7 सितंबर 2017 को मामला दर्ज किया था, जो 2014 में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर दर्ज किया गया था। जांच एजेंसी ने पूछताछ के निष्कर्षों के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की, जिसमें कथित तौर पर पता चला कि ईसीएल ने 2004 में झारखंड में स्टील प्लांट स्थापित करने के लिए राज्य सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे।

सीबीआई ने आरोप लगाया है कि नटराजन ने मौजूदा खनन और पर्यावरण कानूनों और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए 2012 में कंपनी को खनन की मंजूरी दी थी। सीबीआई ने अपनी प्राथमिकी में कहा था, तत्कालीन पर्यावरण और वन राज्य मंत्री नटराजन ने ईसीएल (इलेक्ट्रोस्टील कास्टिंग लिमिटेड) को गैर-वानिकी उपयोग के लिए 55.79 हेक्टेयर वन भूमि के डायवर्जन की मंजूरी दी थी, हालांकि इसे पहले राज्य मंत्री ने खारिज कर दिया था।

केंद्र की मुफ्त अनाज योजना 5 साल के लिए बढ़ी

करीब 81 करोड़ लोगों को होगा फायदा

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्र की मुफ्त अनाज योजना 5 साल के लिए बढ़ा दी गई है, इससे करीब 81 करोड़ लोगों को फायदा होगा. इस बात की जानकारी बुधवार को केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कैबिनेट की प्रेस कांफ्रेंस में दी है. उन्होंने कहा कि मुफ्त अनाज योजना को पांच साल के लिए बढ़ाने का फ़ैसला हुआ है. करीब 81 करोड़ लोगों को फ़ायदा मिलेगा. वहीं, इस काम में करीब 11.80 लाख करोड़ खर्च किया जाएगा.

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दो साल के लिए 15,000 महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ड्रोन उपलब्ध कराने की एक केंद्रीय योजना को मंजूरी दे दी है. परियोजना का परिव्यय 1,261 करोड़ रुपये होगा. सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को पत्रकारों को बताया कि मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस संबंध में निर्णय किया गया. ठाकुर ने कहा, '' योजना का मकसद 2024-25 से 2025-2026 के दौरान किसानों को कृषि उद्देश्य के लिए किराए की सेवाएं प्रदान करने के लिए 15,000 चयनित महिला एसएचजी को ड्रोन प्रदान करना है.'' आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, योजना के तहत स्वीकृत पहल 15,000 एसएचजी को स्थायी व्यवसाय तथा आजीविका सहायता प्रदान करेगी. इससे वे प्रति वर्ष कम से कम 1,00,000 रुपये की अतिरिक्त आय अर्जित करने में सक्षम होंगे.

प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त को अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में लाल किले से एसएचजी को ड्रोन प्रौद्योगिकी से सशक्त बनाने की घोषणा की थी.

उन्होंने कहा कि मंगलवार रात को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में चर्चा के दौरान उत्तराखंड की सिलक्यारा सुरंग के बचाव अभियान का मुद्दा भी आया और इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'बहुत भावुक' थे. केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णयों के बारे में संवाददाताओं को जानकारी देते हुए ठाकुर ने कहा कि पूरी सरकार अभियान में लगी थी और सभी जिंदगियों को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किए गए.

उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि चुनाव प्रचार के बीच में ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बचाव अभियान के बारे में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और अन्य स्रोतों से दिन में कम से कम दो बार जानकारी प्राप्त करते थे.

12 साल के मयंक बने केबीसी-15 के करोड़पति, जीते इतने करोड़ रूपए

नई दिल्ली/एजेंसी। कहते हैं कि ज्ञान की कोई उम्र नहीं - होती। कौन बनेगा करोड़पति में 12 साल के मयंक ने इस बात को सच साबित कर दिखाया है। 1 करोड़ की राशि जीतकर मयंक के.बी. सी.-15 के सबसे कम उम्र के करोड़पति बन गए हैं।

इतना ही नहीं, बल्कि 7 करोड़ के सवाल तक पहुंचने वाले भी वह इस सीजन के सबसे कम उम्र के कंटेस्टेंट हैं। अमिताभ बच्चन के सामने हॉट सीट पर बैठे मयंक ने अपनी तेज-तर्रार बातों और जवाब से हैरान कर दिया। इस सप्ताह कौन बनेगा करोड़पति जूनियर्स आयोजित किया जा रहा है। इसमें 18 साल से कम उम्र के बच्चे हॉट सीट पर होस्ट अमिताभ बच्चन द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हैं। इसमें हरियाणा के महेन्द्रगढ़ जिले के रहने वाले 8वीं क्लास के स्टूडेंट मयंक पहुंचे थे। बिग बी द्वारा पूछे गए सवालों के सही जवाब देकर मयंक ने एक करोड़ प्वाइंटस (1 करोड़ की राशि) जीत लिए हैं और वह 7 करोड़ के सवाल पर पहुंच गए हैं। उनकी इस उपलब्धि पर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने परिवार को फोन कर बधाई दी।

मुंबई में गैस सिलेंडर फटने से बड़ा हादसा : 5 मकान ध्वस्त, 11 को सुरक्षित बाहर निकाला

मुंबई/एजेंसी। मुंबई के चेंबूर इलाके में बुधवार सुबह एक मकान में गैस सिलेंडर में विस्फोट के बाद पांच मकान ध्वस्त हो गए, जिसके बाद 11 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। नगर निगम के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना में कुछ लोग घायल हुए हैं। हालांकि उन्होंने घायलों की वास्तविक संख्या नहीं बताई। घटना चेंबूर इलाके में गोल्फ क्लब के निकट ओल्ड बैरक में सुबह 7 बजकर 50 मिनट पर घटी। निगम के एक अधिकारी ने बताया कि एक मकान में गैस सिलेंडर विस्फोट हुआ जिसके चलते चार से पांच दो मंजिला मकान ध्वस्त हो गए। अधिकारी ने बताया कि ध्वस्त मकानों से 11 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और अब तक चार लोगों को गोवंडी में नगर निगम संचालित शताब्दी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटनास्थल पर दमकल की पांच गाडियों, पुलिस, नगर निगम के कर्मियों, एंबुलेंस सेवा और अन्य एजेंसियों को भेजा गया है।

गोवा की बेटी दिशा नाइक ने रचा इतिहास:

भारत की पहली एयरपोर्ट महिला फायर फाइटर बनीं दिशा नाइक

पणजी/एजेंसी।

दिशा नाइक क्रैश फायर टेंडर (सीएफटी) संचालित करने वाली भारत की पहली प्रमाणित महिला फायर फाइटर बन गई हैं। वो फिलहाल नॉर्थ गोवा में मनोहर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एमआईए) की एयरोड्रम रेस्क्यू एंड फायरफाइटिंग (एआरएफएफ) इकाई में फायर फाइटर के रूप में कार्यरत हैं।

जीएमआर गोवा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जीजीआईएएल) द्वारा प्रबंधित एमआईए के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह हवाईअड्डा बचाव और अग्निशमन के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। हवाई अड्डे की एयरोड्रम रेस्क्यू एंड फायर फाइटिंग (एआरएफएफ) इकाई में एक समर्पित फायर फाइटर नाइक ने यह उपलब्धि हासिल करके लिंग मानदंडों (जेंडर नॉर्म्स) को तोड़ दिया है।

जीजीआईएएल के सीईओ आरवी शेषन ने कहा कि वे अपने कर्मचारियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, हम सीखने की एक ऐसी संस्कृति बनाने में विश्वास करते हैं जो हमारे कर्मचारियों को फलने-फूलने में मदद करती है और यह सुनिश्चित करती है कि वे तेजी से बदलते कारोबारी माहौल में आगे रहें।

शेषन ने कहा कि जीजीआईएएल के कार्यबल में लगभग 20 प्रतिशत महिलाएं हैं और कंपनी लैंगिक विविधता बनाए रखने और समान विकास के अवसर प्रदान करने के लिए समर्पित है। आरवी शेषन ने दिशा नाइक को लेकर कहा कि उन्होंने 2021 में एमआईए में हवाई अड्डा बचाव और अग्निशमन विभाग में एक पद के लिए आवेदन किया। वो जुलाई महीने में आधिकारिक तौर पर विभाग में शामिल हुईं। बता दें कि दिशा ने क्रैश फायर टेंडर का संचालन करने के लिए तमिलनाडु के नामक्कल में छह महीने का कड़ी ट्रेनिंग ली।

मताधिकार में सकारात्मक सोच जरूरी

तेलंगाना में मतदान की घड़ी है...। सुबह विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग शुरू हो जाएगी। पांच साल में एक बार मिलने वाले अवसर को नकारात्मक सोच या गैरजिम्मेदारी से खो देना किसी भी हालात में उचित नहीं माना जा सकता। लोकतंत्र के महायज्ञ में प्रत्येक मतदाता को अपने मताधिकार का उपयोग कर मतदान करके अपनी आहुति देने का अवसर मिलता है। ऐसे में मतदान का बहिष्कार या फिर लापरवाही के कारण मतदान नहीं करने को किसी अक्षम्य अपराध से कम नहीं कहा जा सकता है।

नोटा प्रयोग भी मंथन का विषय होना चाहिए। नोटा के प्रावधान को लेकर पक्ष विपक्ष में अनेक तर्क दिए जा सकते हैं पर समय आ गया है कि उस पर बड़ी बहस हो और उसको अधिक प्रभावी या कारगर बनाने के प्रावधान किए जाएं। सर्वोच्च न्यायालय की मतदान को लेकर की गई टिप्पणी भी इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि यदि हम मताधिकार का प्रयोग नहीं करते हैं तो फिर सरकार के खिलाफ किसी तरह की ग्रीवेंसज करना उचित नहीं ठहराया जा सकता। कमोबेश यह सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी की भावना रही है और इससे साफ– साफ संदेश हो जाता है कि सजग व जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रत्येक मतदाता का दायित्व हो जाता है कि वह अपने मताधिकार का प्रयोग करे। अब तो निर्वाचन आयोग ने मतदान को सुविधाजनक भी बना दिया है। बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाताओं को घर बैठे मतदान का अवसर प्रदान कर दिया है। वहीं मतदाताओं के लिए जागरुकता अभियान से लेकर निष्पक्ष चुनाव के लिए कारगर कदम उठाये जाने लगे हैं।

भले ही सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद ईवीएम में नोटा यानी नन ऑफ द अवोव का प्रावधान कर दिया गया हो पर एक जागरूक व जिम्मेदार मतदाता के लिए नोटा के प्रयोग को समझदारी भरा निर्णय नहीं माना जा सकता। कारण साफ है नोटा का बटन दबाकर अपनी भावना तो व्यक्त कर सकते हैं पर उसका इस मायने में कोई अर्थ नहीं रहता कि किसी की जीत हार में उसका खास असर नहीं पड़ता। राजस्थान के ही 2013 और 2018 के विधानसभा चुनाव का विश्लेषण किया जाए तो साफ हो जाता है कि 2013 के विधानसभा चुनाव में 4 करोड़ 8 लाख से अधिक मतदाताओं में से 5 लाख 89 हजार से कुछ अधिक यानी कि केवल 1.92 प्रतिशत मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। इसी तरह से 2018 के विधानसभा चुनाव का विश्लेषण किया जाए तो 4 करोड़ 77 लाख से कुछ अधिक मतदाताओं में से 4 लाख 67 हजार से कुछ अधिक यानी कि 1.3 प्रतिशत मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाकर विरोध दर्शाया। आपका नोटा का बटन जीत–हार के अंतर को तो कम कर सकता है पर नोटा के प्रयोग के स्थान पर उपलब्ध विकल्पों में से ही किसी एक को चुनना ज्यादा बेहतर माना जा सकता है। हालांकि एक समय था जब कई बूथों पर विरोध स्वरूप मतदान का बहिष्कार करने का निर्णय कर लिया जाता था या फिर लोगों द्वारा उपलब्ध उम्मीदवारों में किसी को भी मत देने योग्य नहीं समझने के कारण विरोध का मत यानी कि नोटा के प्रयोग की मांग की जाती रही। नोटा का परिणाम प्रभावी तरीके से राइट टू रिजेक्ट होता तो अधिक कारगर होता।

तस्वीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों में नोटा को हटाया जा चुका है। यूं कहे कि कई देशों में नोटा के प्रावधानों को कारगर नहीं पाने के कारण हटा दिया गया है। अमेरिका की ही बात करें तो वहां नोटा का प्रावधान रहा है पर 2000 आते–आते उसे हटा दिया गया। इसी तरह से रूस ने 2006 और पाकिस्तान में 2013 में नोटा प्रावधान को हटाया जा चुका है। देश के प्रबुद्ध नागरिकों, वुद्धिजीवियों, राजनीतिक विश्लेषकों, कानूनविदों को नोटा को लेकर गंभीर बहस छेड़नी होगी जिससे नोटा को वास्तव में चुनाव में हथियार के रूप में उपयोग किया जा सके। आज की तारीख में बात करें तो नोटा केवल और केवल आपके विरोध को दर्ज कराने तक ही सीमित माना जा सकता है।

एक दूसरी बात और जिस पर गंभीर चिंतन की जरूरत है। आजादी के 75 साल बाद और दुनिया की सबसे बेहतरीन चुनाव व्यवस्था के बावजूद मतदान प्रतिशत का 90 से 100 प्रतिशत के आंकड़े को नहीं छूना चिंता का विषय है। आज हालात बदल चुके हैं। कोई भी किसी को मतदान के अधिकार से जोर जबरदस्ती या अन्य कारण से रोक नहीं सकता। भारतीय चुनाव आयोग की निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था को सारी दुनिया द्वारा सराहा जाता है और लोहा मानते हैं। इस सबके बावजूद मतदान का प्रतिशत कम होना गंभीर है। ऐसे में मतदान का बहिष्कार या मतदान नहीं करना जिम्मेदार मतदाता का काम नहीं हो सकता। पांच साल में एक बार आने वाले इस अवसर का उपयोग सकारात्मक सोच व उपलब्ध विकल्पों के आधार पर ही बेहतर तरीके से किया जा सकता है। इसलिए मतदान को अपना कर्तव्य समझ कर घर से बाहर निकलें और मताधिकार का उपयोग अवश्य करें।

सिलक्यारा की रोशनी से सबक लेने की जरूरत

ललित गर्ग

दृढ़ इच्छाशक्ति, लगन, उम्मीद, सकारात्मकता और हौसले की ताकत ने मिलकर आखिर प्रकृति के साथ लड़ी 17 दिन की जंग में जिन्दगी को विजयी बना दिया। सिलक्यारा सुरंग में आठ राज्यों के 41 मजदूरों को सकुशल जिन्दा निकाल लेने के 400 घंटों तक चले संघर्ष में जीत इंसान के चट्टानी हौसले के नाम दर्ज हुई। उत्तरकाशी टनल में फंसे इन सभी मजदूरों को जब मंगलवार रात सुरक्षित निकाला गया, तो देश ने राहत की सांस ली और दीपावली मनाई। यह बचाव अभियान प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय बना है। जिसमें विज्ञान में विश्वास एवं आस्था ने मनोबल दिया। दीपावली के दिन से टनल में फंसे मजदूरों का सुरक्षित बाहर आना किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा सकता। बचाव अभियान में हर मोड़ पर आती बाधाओं से बार–बार निराशा एवं नाउम्मीदी के बादल छाए जरूर लेकिन बचाव दल के अथक प्रयास आखिर में रंग ले ही आए। बजाव कार्य में जुटे जाम्बाज राहत कर्मियों का भरोसा, केन्द्र एवं राज्य सरकार की पूरी ताकत एवं पूरे देश की प्रार्थनाओं का ही असर था जो डर, निराशा और दुश्चिताओं को दूर करने का हौसला बराबर देता रहा। 17 दिन तक संकटकालीन स्थितियों में मजदूरों को जीवित रखने की चुनौती वाकई बहुत बड़ी थी, जिस पर पूरी दुनिया की नजरें लगी थीं। मजदूरों तक ऑक्सीजन और भोजन पानी पहुंचाना भी आसान नहीं था। तरह–तरह की बाधाओं एवं तकलीफों के बीच जिन्दगी बचाने की मुहिम निश्चित ही एक रोशनी बनी। इसमें सुरंग में फंसे मजबूरों ने जहां हर तरह से जिजीविषा एवं बहादुरी का परिचय दिया, वहीं बचाव कार्य में जुटे वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, तकनीकी जानकारों एवं कर्मियों ने दिनरात एक करके एक उदाहरण प्रस्तुत किया। यह बचाव अभियान एवं इसकी सफलता ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय उदाहरण बनकर प्रस्तुत हुआ है। दुविधा एवं मौत की सुरंग में कैद हुए मजदूरों को संकट से आजादी मिली, लेकिन सिलक्यारा की इस घटना ने अनेक सवाल भी खड़े किए हैं। सवाल यह है कि एक प्लान के विफल होने पर दूसरा और आगे के विफल होने पर ही तीसरा, चौथा, पांचवां प्लान क्यों बना? क्या पांच प्लान पहले ही तैयार नहीं हो सकते थे? बीते दो दशकों में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क–क्रांति ने विकास की नई इबारत लिखी है, चारधाम सड़क परियोजना, पहाड़ी क्षेत्रों एवं दुर्गम्य स्थलों में भी यातायात सुगम करने के लिए पहाड़ खोदकर टनल बनाए जा रहे हैं, जिनमें दुर्घटनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। प्रश्न है कि संभावित दुर्घटनाओं से बचने के आवश्यक उपकरण क्यों नहीं जुटाये गये? मलबा हटाने के लिए अमरीका

से क्यों मशीन मंगवानी पड़ी, भारत में ऐसी मशीनों की उपलब्धता क्यों नहीं है? ऐसी विपत्तियों एवं संकटों से उबरने की हमारी तैयारी आत्म–निर्भर एवं स्वावलम्बी क्यों नहीं बनायी जाती? क्यों नहीं अपने देश में जगह–जगह बढ़ती सुरंग परियोजना को देखते हुए एक ऐसे राष्ट्रीय संस्थान खड़ा किया जाता जो बिना भ्रष्टाचार एवं कौताही में लिप्त हुए निर्माणाधीन परियोजनाओं का हर वर्ष तकनीकी ऑडिट करे, जैसा कि सरकारी संस्थानों में वित्तीय ऑडिट होता है। तब हम ऐसे हादसों को रोक पाएंगे। हिमालय जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में ऐसी बड़ी सड़क परियोजनाओं एवं अन्य निर्माण कार्यों की इजाजत देने से पहले उस पर व्यापक मंथन–अनुसंधान–जांच एवं शोध की अपेक्षा है। किस तरह के निर्माण कार्यों की इजाजत दी जाए और किस तरह के काम को नहीं, यह भी समझना एवं एक रोडमैप बनाना होगा। पर्यावरणविद और भूविज्ञानी ऐसे निर्माण कार्यों को पर्यावरण के लिये गंभीर खतरा मानते रहे हैं, ऐसे लोग लंबे समय से कहते आ रहे हैं कि हिमालय एक कच्चा पहाड़ है, वहां बड़ी परियोजनाओं को अनुमति देने से पहले सब तरह की जांच कर लेनी चाहिए। संभावित खतरों पर संवेदनशीलता से चिन्तन करना चाहिए। उत्तरकाशी के सिलक्यारा में बन रही सुरंग में भी यह बात सामने आई है कि इस जगह के आसपास दो स्थानीय फॉल्टों की उत्तर से दक्षिण तक कटान है। क्या इस सुरंग को बनाने से पहले इसका अध्ययन नहीं किया गया था? बचाव कार्य के लिए यहां आए विदेशी सुरंग विशेषज्ञों ने शेयर जोन की बात कही। शेयर जोन उसे कहते हैं, जिसके आसपास से दो नदियां एक–दूसरे को क्रॉस करती हैं। भूकंप जोन होने से भी ऐसे इलाकों में भू–धंसान की समस्या आती है। खुदाई करने वाले कई मजदूरों ने भी इस बात को रेखांकित किया एवं चेताया कि सुरंग से बार–बार धसकते मलबे की समस्या है, मगर उस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। प्रश्न है कि कौन लोग इस उपेक्षा के लिये जिम्मेदार है। इसलिए यहां इन्फ्रास्ट्रक्चर को लेकर संवेदनशीलता की जरूरत है। खान या सुरंग में मजदूरों के फंसने की घटनाएं देश ही नहीं दुनियाभर में होती रहती हैं। कभी पहाड़ के धंसने से और कभी खदानों में पानी भरने से भीषण हादसे होते रहते हैं। जहां विकास की गंगा बहती है, वहां विनाश की संभावना से नकारा नहीं जा सकता। लेकिन हमें संभावित खतरों पर अधिक गंभीर होने की अपेक्षा है। मैदानी इलाकों में ही नहीं, उच्च हिमालयी क्षेत्र में भी सड़क, रेल और जलविद्युत परियोजनाओं तक के लिए सुरंगों का जाल बिछाया जा रहा है, क्योंकि सुरंगों को बहुत अच्छा विकल्प माना जाता है। क्या सुरंगें वाकई बेहतर विकल्प हैं? कैसे हो रहा है उनका निर्माण? इन प्रश्नों पर व्यापक मंथन की अपेक्षा है। ऐसा नहीं है कि भारत में ऐसी परियोजनाएं हर जगह ऐसी दुर्घटनाओं की शिकार हुई है। कोंकण रेलवे और दिल्ली मेट्रो की कई जटिल सुरंगों पर सफलतापूर्वक काम हुआ है। उत्तराखंड मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के डायरेक्टर एंड प्लानिंग बृजेश मिश्रा के अनुसार, सुरंग परियोजना में सबसे अहम जियो टेक्निकल इंवेस्टिगिशेन होता है, इसी से तय होता है कि सुरंग खुदाई के बाद कितनी देर तक टिक पाएगी। निर्माण के दौरान कोई बड़ा अवरोध या खतरा तो नहीं होगा। साथ ही, इसे किस तरह के ट्रीटमेंट की जरूरत है, पर दुर्गम पहाड़ में कई बार जांच उपकरण अधिक ऊंचाई तक ले जाना मुश्किल हो जाता है और जियो टेक्निकल इंवेस्टिगिशेन पर समग्रता से कार्य नहीं होता। कई बार राजनीतिक कारणों से जल्द काम निपटाने के दबाव में सुरंग के मुहाने पर किए गए अध्ययन के आधार पर ही काम शुरू कर दिया जाता है, जो बाद में बहुत भारी पड़ता है। ऐसे मामलों में बहुत कारगर कथन है कि सावधानी हटी और दुर्घटना घटी। उत्तराखंड सुरंग हादसे में शायद ऐसा ही हुआ। सिलक्यारा की घटना से एक तथ्य और सामने आया है कि ऐसे बचाव कार्य के लिए कोई पक्की योजना हमारे पास नहीं है। इसी वजह से विदेश से मदद लेनी पड़ी। अच्छा यही होगा कि इस घटना से सबक लेकर इस तरह के बचाव कार्य की पुख्ता प्रक्रिया और सामर्थ्य देश के पास हो ताकि आने वाले वक्त में इस तरह का बचाव कार्य जल्द से जल्द और बिना किसी बाधा के पूरा किया जा सके। इस हादसे से सबक लेते हुए आपदा प्रबंधन कार्यों को आधुनिक रूप देने के लिए हर संभव उपाय किए जाने चाहिए। विदेशों से हम तकनीक के मामले में मदद लेते रहते हैं। इस क्षेत्र में भी विदेशों से तकनीकी ज्ञान हासिल करने के साथ इंजीनियरों के प्रभावी प्रशिक्षण की भी समुचित व्यवस्था नियमित रूप से होनी चाहिए। विशेषज्ञों की मानें, तो अब भारत में सुरंग निर्माण पहले से कहीं ज्यादा चाक–चौंबद हो जाएगा। सिलक्यारा में सत्रह दिन के अंधेरे के बाद आई नई सुबह से भले ही हर भारतीय खुश हुआ होगा, लेकिन असली खुशी तो तब होगी जब ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। सिलक्यारा हादसे से नकारात्मक नजरिया बनाने की जरूरत नहीं है, बल्कि तय सुरक्षा प्रोटोकॉल को और सख्ती से लागू किए जाने की जरूरत है। निश्चित ही अपने बुलंद हौसलों के कारण सिलक्यारा बचाव अभियान में हम कामयाब होकर पूरी दुनिया के सामने एक प्रेरणा बन गए है।

जीवन प्रकृति के साथ चलने पर ही संभव

गिरीश्वर मिश्र

वैश्विक स्तर पर सबको प्रभावित करने वाली मानवजनित चुनौतियों में जलवायु परिवर्तन की खास भूमिका है । इसका स्वरूप दिन–प्रतिदिन जटिल होता जा रहा है। इसे लेकर चिंतन भी होता आ रहा है और गाहे–ब–गाहे विभिन्न स्तरों पर चिंता भी जाहिर की जाती रही है। इस क्रम में ताजा विचार–विमर्श यूएई के विख्यात दुबई महानगर में कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज यानी काप का 28 वां सम्मेलन आयोजित हो रहा है। इस शृंखला की यह एक खास कड़ी होगी जिसमें यह जरूरी होगा की इस व्यापक संदर्भ में उठाने वाली समस्याओं के समाधान की दिशा में फलदायी निर्णय लिए जा सकें। अंटार्कटिक क्षेत्र में आ रहे बदलाव और विश्वव्यापी घटना के रूप में अनेक क्षेत्रों में एक लाख से ज़्यादा ग्लेशियरों के बहुत बड़े पैमाने पर पिघलने की घटना से प्राकृतिक संतुलन की स्थिति चिंताजनक हो रही है। इन सबसे जीवनदायी गतिविधि में व्यापक असंतुलन परिलक्षित हो रहा है। सतही तौर पर प्रकृति और मनुष्य अलग दिखते हैं। प्रकृति की प्रत्यक्ष होती समृद्धि और सुषमा उसे स्पष्ट रूप से एक संसाधन घोषित करती है और आंशिक रूप से यह सही भी है। पर यह आंशिक सत्य प्रायः पूर्ण मान लिया जाता है और प्रकृति के जल्दी से जल्दी (यथासंभव) अधिकाधिक दोहन का काम शुरू हो जाता है। ऐसा करते हुए मनुष्य की विभिन्न उपलब्धियां उसका भ्रम बनाए रखती हैं। भ्रम तब टूटता है जब प्रगति सरीखी इस दिग्विजय में मनुष्य को ठोकर लगती है। पिछले कुछ वर्षों में पर्यावरण से जुड़े हादसों में तेजी से वृद्धि हुई है किंतु मनुष्य हस्तक्षेप से बाज नहीं आता। वह यह भूल जाता है कि प्रकृति का कोई विकल्प नहीं है। उसे नष्ट कर होनी वाली क्षति अपूरणीय क्षति होती है।
पिछले वर्षों में यूरोप और अमेरिका के अनेक भू–क्षेत्रों में बाढ़, लू, वनाग्नि, सूखा और प्रचंड तूफान जैसी जलवायु की चरम स्थितियों का बार–बार सामना करना पड़ा है। भारत के हिमाचल प्रदेश, असम, उत्तराखंड और दिल्ली में जिस तरह बाढ़ का प्रकोप अनुभव किया गया वह विस्मित करने वाला था। दक्षिण भारत के कई शहरों में बाढ़ का प्रकोप हुआ था। वस्तुतः भारत समेत विश्व के अधिकांश भौगोलिक क्षेत्रों में लगातार अनुभव हो रही प्राकृतिक विभीषिकाएं देखते हुए जलवायु वैज्ञानिक दुनिया को संभावित खतरों से आगाह करने के लिए अनेक वर्षों से सतर्कता बरतने का आग्रह करते आ रहे हैं। ऐसे में वैज्ञानिकों के द्वारा जुटाए तथ्यों और तर्कों का नीति–निर्माण और कार्यान्वयन के स्तर पर काफी असर होना चाहिए था। पर हुआ यह कि अनेक देशों के राजनयिकों द्वारा इनके लिए प्रतिबद्धता दर्शाने की रस्म अदायगी बढ़ गई है। इससे जुड़े बैठकों, आयोजनों और विमर्शों के प्रकाशन भी समयझसमय पर होते रहे हैं । इस सिलसिले में टिकाऊ (ससटेनेबल) विकास की अवधारणा की अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति एक सराहनीय कदम था। ऐसे सोलह टिकाऊ विकास लक्ष्यों (एसडीजी) का खूब प्रचार–प्रसार हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में प्रकाशित हुई अनेक रपटों, पारस्परिक सहमतियों और वैश्विक उद्घोषणाओं से राजनेताओं की कुछ–कुछ गंभीरता तो जरूर प्रकट हुई है परंतु उसे कार्यस्तर पर लागू करने तक की अब तक की यात्रा निहित स्वार्थ के कारण कंटकाकीर्ण रही है। फलतः प्रकृति के साथ सहजीवन की दिशा में हमारे प्रयास नाकाफी रहे हैं जब कि उसके अंधाधुंध दोहन का प्रयास खूब बढ़ा है। जीव–जंतुओं और वनस्पतियों की प्रजातियों के विनाश के साथ जैव विविधता आज जिस तरह तेजी से घट रही है उसे किसी भी तरह अच्छा संकेत नहीं कहा जा सकता। पेयजल के स्रोत तेजी से समाप्त हो रहे हैं। दरअसल जलवायु और पर्यावरण से जुड़े प्रश्नों को लेकर सरकारी खेमों में आरंभिक उत्साह और मीडिया में जोरदार उपस्थिति के साथ फौरी फायदे अधिक महत्व के हो जाते हैं। उसमें ही बढ़त पाने की जुगत लगाई जाती है। उसके आगे मानवता को होने वाले बड़े और दीर्घकालिक नुकसानों को अकसर भुला दिया जाता है। आर्थिक और राजनीतिक दृष्टि से रसूख वाले तथाकथित विकसित देश जलवायु से जुड़ी प्रतिज्ञाओं और संकल्पों में शामिल होने को छोड़ अपनी मनमानी करने से बाज नहीं आते। वे पर्यावरण की रक्षा के लिए जरूरी मानकों, मानदंडों और पाबंदियों को खुद के लिए स्वीकार नहीं करते और उनको लागू करने में तरह–तरह की छूट लेते रहते हैं। उदाहरण के लिए ग्रीन गैस के उत्सर्जन को लेकर आज के मौजूदा हालात में यह विडम्बना खास तौर पर झलक रही है। अब जो स्थिति बन रही है वह यह है कि पृथ्वीतल पर तापमान में वृद्धि अनियंत्रित होती जा रही है। इस पर गौर किया जाना चाहिए कि बीत रहे वर्ष सन 2023 के अगस्त से अक्टूबर तक के महीने विश्व भर में रिकार्ड तोड़ गर्मी को दर्ज किए हैं। ज्ञातव्य है कि पिछले करीब दो सौ वर्षों में इस तरह की घटना पहली बार अनुभव की गई है। पर्यावरण को लेकर गैर जिम्मेदाराना व्यवहार का सबसे दुखद पक्ष यह है कि मानवीय हस्तक्षेप से होने वाली हानियों का वितरण सभी देशों के बीच एक सा नहीं है। आज यह सर्वविदित है कि उच्च तकनीकी के साथ विकसित देश प्रकृति के दोहन में बढ़–चढ़ कर भाग लेते हैं परंतु इस वैश्विक स्वरूप वाली विपदा का खामियाजा अकसर कम विकसित देशों को भुगतना पड़ता है। इसके समाधान के लिए जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने के लिए अंतर राष्ट्रीय कोष का प्रस्ताव बनता रहा है। भारत वर्ष ने भी इसके लिए बड़ा प्रयास किया है। परंतु कार्रवाई के स्तर पर देखें तो अभी तक की अंतर राष्ट्रीय प्रगति बेहद असंतोषजनक है। यह भी उल्लेखनीय है कि डेढ़ डिग्री तक वैश्विक तापमान बनाए रखने में विफल होने की स्थिति में अनुमान किया जा रहा है कि विश्व को 2.5 से 2.9 सेल्सियस तापमान से गुजरना होगा। मौसम में होने वाले इस तरह के क्रांतिक बदलाव के भयानक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। ७ह याद रखना होगा कि जलवायु की प्रणाली धरती पर जीवन जीने के लिए आधार प्रदान करती है परंतु उसी के साथ कुछ जरूरी सीमाएं भी बांधता चलता है। मनुष्य उन सीमाओं से मनमानी छेड़छाड़ करता है पर उसकी भी सीमा है जिसे अकसर भुला दिया जाता है। ऐसे में प्रकृति और पर्यावरण हमारी सामाजिक चेतना का सक्रिय हिस्सा ही नहीं बन पाते। स्मरणीय है कि पर्यावरण का दोहन, अबाध प्रदूषण, ऊर्जा का अनियंत्रित उपयोग और वृक्षों आदि विभिन्न वनस्पतियों, मनुष्य और अन्य जीव–जंतुओं के जीवन की गुणवत्ता संजोने के सवाल, सभी आपस में गुंथे हुए हैं। ये सभी परस्पर निर्भर हैं और एक दूसरे के लिए पूरक का भी काम करते हैं। इस तरह का समग्रतावादी (होलिस्टिक) जीवन–दर्शन हम सिद्धांत में तो अब मानने लगे हैं पर अभ्यास के स्तर पर मानव केंद्रित (एंथ्रोपोसेंट्रिक) विचारधारा को ही तरजीह देते है। मनुष्य–केंद्रित होने से हमारी रुचि मनुष्य के सुख–समृद्धि को बढ़ाने में ही लगी रहती है। हम प्रकृति के प्रति अपने दायित्व को उसकी अपने लिए संचय और उपभोग वाली उपयोगिता के अलावे नहीं समझ पाते। इस विकृत मानसिकता का परिणाम यह होता है कि प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन की जगह सिर्फ उसके अधिकाधिक दोहन पर ही जोर दिया जाता है। त्याग के महत्व को चूड भोग पर जोर देने से प्रकृति से लेते तो हैं पर उसे देने की बात विस्मृत हो जाती है। यह असंतुलित व्यवस्था आगे और भी असंतुलन को जन्म देती है। कई लोगों को मन में यह भ्रम भी बना रहता है कि प्रकृति अनंत यानी असमाप्य है। अपने को चेतन और प्रकृति को जड़ मान कर मनोवांछित तरीके से उसके दोहन में हर तरह से सन्नद्ध हो जाते हैं। आज प्रौद्योगिकी का जिस तेजी से विकास हो रहा है वह प्रकृति की सहज शक्ति और संभावना को अनेक स्तरों पर प्रतिबंधित करने वाला सिद्ध हो रहा है। उदाहरण के तौर पर कृषि कार्य में रासायनिक खाद और पेस्टीसाइड, और कीटनाशकों आदि के विविध रूप विष की तरह मानव शरीर में पहुंच कर अनेक रोगों और अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों को जन्म दे रहे हैं। यही हाल आणविक ऊर्जा के उत्पादन से जुड़ी समस्याओं का भी है। नई–नई प्रौद्योगिकी यही सोच कर विकसित की जाती है कि उत्पादन बढ़ेगा और व्यापार में नफा होगा। इस कोशिश में छिपी हिंसा का दूरगामी असर पड़ता है और हम अकसर जीवन की गुणवत्ता का प्रश्न भूल जाते हैं। अविकसित देशों को विकसित करने की अंतरराष्ट्रीय क़वायद की जाती है जिसके अनपेक्षित शोषणकारी असर कई बार भोपाल गैस त्रासदी की तरह अमानवीय और घातक साबित होते रहे हैं। जब तक प्रकृति के पक्ष में हमारी मानसिकता नहीं बदलेगी हम विकास और प्रगति के मायावी दुश्चक्र में फंसे रहेंगे जो स्वयं जीवन के ही विरुद्ध है। जीवन प्रकृति के साथ चलने और स्वयं को प्रकृति का अंश मान कर चलने में ही संभव है। पृथ्वी पर कल्याण के लिए भोग ही नहीं त्याग के योग को भी अपनाना होगा।

मरती संवेदनाएं, दम तोड़ते रिश्ते

निर्मल रानी

बात 1998 की है। चंडीगढ़ में पी जी आई के मुख्य द्वार के बाहर एक अति वृद्ध बुज़ुर्ग फुटपाथ पर कई दिनों से एक ही जगह पर बैठा रहा। लोगों ने जब उससे उसके बारे में जानना चाहा तो उसने बताया कि –'एक सप्ताह पहले पंजाब के किसी गांव से वह अपने बेटे के साथ इलाज कराने पी जी आई आया था। उसके बाद मेरा बेटा मुझे इसी जगह पर बिठा कर चला गया और आज तक मुड़ कर नहीं आया'। उस वृद्ध की हालत देखकर लोगों को यह समझने में देर नहीं लगी कि उसका बेटा अपने बुज़ुर्ग पिता की बीमारी और तीमारदारी से ऊब कर उसे पी जी आई में इलाज के बहाने लाकर यहां छोड़ कर चला गया। जब लोगों ने उस बुज़ुर्ग को वापस उसके घर पहुँचाने की बात की तो वह राज़ी नहीं हुआ। वह कहता कि 'जब मेरा बेटा ही मुझसे दुखी होकर मुझे छोड़ गया तो मैं फिर उसे दुखी करने के लिये घर जाकर क्या करूंगा'? आखिरकार कुछ समाजसेवियों की मदद से उसे किसी अनाथालय में शरण लेनी पड़ी। 25 वर्ष पूर्व की यह घटना देखकर यह अहसास होने लगा था कि शायद मानवीय संवेदनाओं ने कराहना शुरू कर दिया है। परन्तु यह एहसास कतई नहीं था कि मानवीय संवेदनाओं के दरकने का यह सिलसिला तथाकथित संभ्रांत परिवारों यहां तक कि 'सेलेब्रिटी' स्तर के लोगों के परिवार में भी जा पहुंचेगा?
तीन वर्ष पूर्व महाराष्ट्र से एक समाचार आया कि एक वृद्ध महिला अपने फ्लैट में न जाने कितने दिनों से मरी पड़ी थी। उसके शरीर का कंकाल उसके बेड के पास पड़ा था। कई दिनों बाद पड़ोसियों को संदेह हुआ तो दरवाज़ा तोड़ा गया तो वृद्धा का कंकाल बरामद हुआ। वृद्धा का एक पुत्र था जो अमेरिका में रहता था। जब उसे उसकी मां की मौत की सूचना दी गयी तो वह आया और दो चार दिनों के भीतर ही फ्फ्लैट बेचकर चलता बना। वैसे भी आप यदि शहरों में वृद्धाश्रम में जाकर देखें तो तमाम कथित संभ्रांत परिवार के लोग वहां अपनी ज़िंदिगी की आखिरी दिन अपने परिवार से दूर रहकर गुज़ारते दिखाई जायेंगे। संभव है कि कुछ बुज़ुर्गों को अपने अड़ियल व रूढ़िवादी सोच विचार के चलते यह दिन देखने पड़ते हों। परन्तु अधिकांश मामलों में यही देखा गया है कि बच्चों व उनके परिवार का स्वार्थपूर्ण रवैय्या और मां बाप के प्रति उनकी बेरुखी ही मां बाप जैसे पवित्र व मज़बूत रिश्तों में भी दरार पैदा कर देती है। रेमंड ग्रुप के चेयरमैन पद्मभूषण विजयपत सिंघानिया को देश दुनिया में आखिर कौन नहीं जानता। 37 मंज़िला जेके हाउस, प्राइवेट जेट, अंतराष्ट्रीय स्तर के हॉट बैलून फ्लाइंग विशेषज्ञ, हज़ारों करोड़ की संपत्ति, देश के

नामी ग्रामी उद्योग पतियों की सूची में नाम, इज़्ज़त–मान–सम्मान क्या नहीं था विजयपत सिंघानिया के पास। विजयपत सिंघानिया ने अपने बेटे गौतम सिंघानिया को लगभग 12000 करोड़ रूपये का व्यवसायिक साम्राज्य सौंप दिया था। रेमंड साम्राज्य पर कब्ज़ा होते ही गौतम सिंघानिया ने अपने मां–बाप की तरफ से आँखें फेर लीं। इतनी बड़ी शख्सियत के मालिक पिता को उसी के आलिशान घर से बेटे गौतम ने बाहर निकाल दिया। कंपनी के सारे अधिकार पिता के हाथों से छीन लिए और उन्हें दर–दर भटकने के लिये छोड़ दिया। खबर है कि अब यह बुज़ुर्ग दंपत्ति किसी किराये के मकान में अपना वक़्त गुज़ार रहा है। इसी तरह पिछले दिनों सहारा ग्रुप के संस्थापक व स्वामी सुब्रत राय 'सहाराश्री' का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। देश के मीडिया में जितनी चर्चा उनके देहांत की हुई उतनी ही चर्चा इस बात की भी रही कि सहारा श्री के अंतिम संस्कार में न तो उनकी पत्नी शामिल हुई न ही उनके दोनों बेटे। बल्कि उनके एक पौत्र हिमांक ने मुखाग्नि देकर उनका अंतिम संस्कार किया। सहारा श्री की व्यावसायिक अनियमिततायें क्या थीं क्या नहीं इससे मेरा सरोकार नहीं परन्तु सहाराश्री के मानवीयता पूर्ण चरित्र का हर एक कायल था। 2004 में सहारा श्री ने जब अपने दोनों बेटों सीमांतो और सुशांतो की शादी लखनऊ स्थित सहारा शहर में की थी उस समय 500 करोड़ की यह शादी देश की सबसे मंहगी शादी के रूप में चर्चित हुई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी से लेकर सोनिया गांधी, शरद पवार, मुलायम सिंह यादव, अमर सिंह, राजनाथ सिंह, पूर्व पीएम चंद्रशेखर, लालू प्रसाद यादव, प्रमोद महाजन, मायावती, शिबू सोरेन, सुरेश कलमाड़ी जैसे राजनीति के अनेक दिग्गज व फिल्म व खेल जगत के तमाम नामी लोग शरीक हुये थे। मेहमानों की अगुआनी स्वयं सुपर स्टार अमिताभ बच्चन और उद्योगपति अनिल अंबानी जैसे लोग कर रहे थे। परन्तु इसी शादी का सबसे बड़ा मानवीय पक्ष यह था कि अपने पुत्रों के इसी भव्य विवाह समारोह के साथ ही सहारा इण्डिया परिवार ने समाजोपयोगी कार्यक्रम के तहत एक 'सामूहिक विवाह समारोह' का भव्य आयोजन लखनऊ के इसी सहारा शहर में किया। इसमें समाज के गरीब तबके की 101 कन्याओं का विवाह कराया गया। एक ही जगह एक साथ हिन्दू, मुस्लिम, सिख व ईसाई धर्म से जुड़े लोगों का विवाह उनके धार्मिक रीति रिवाजों के अनुसार सम्पन्न कराकर सामाजिक सद्भाव व गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की गयी। इस खबर ने पूरे देश के लोगों में सहारा श्री के प्रति स्नेह व सम्मान का भाव पैदा किया और सहारा श्री को सम्मान की नज़रों से देखने वाला वही वर्ग आज इस बात को लेकर चिंतित भी नज़र आया कि जिसने अपने बेटे की शादी में न केवल भव्यता में कीर्तिमान बनाया बल्कि साथ ही 101 गरीब जोड़ों की भी शादी कराकर हज़ारों लाखों लोगों के दिलों की दुआयें भी लीं, वही महान व्यक्ति आखिर किन परिस्थितियों में अपने जीवन के अंतिम समय में अपने उन्हीं बेटों और जीवन संगिनी पत्नी तक को न देख सका?
शायद समाज में मरती संवेदनाओं की इसी नब्ज़ को पहचानते हुए अब इसे व्यवसायिक रूप देने के भी प्रयास शुरू हो गए हैं। अब कुछ कंपनियां अंतिम संस्कार का व्यवसाय करने जा रही हैं। हमारे देश के मानवीय मूल्यों को शर्मसार करने वाली ऐसी ही एक कंपनी का सदस्यता शुल्क रु. 37500/– है। इन पैसों में पुजारी, नाई, कन्धा देने वाले, साथ चलने वाले, राम के नाम पर सत्य बोलने वाले, सब शामिल होंगे। ऐसी ही एक–एक नई स्टार्टअप कंपनी ने 50 लाख रुपये का मुनाफा कमा भी लिया है। संचालकों को उम्मीद है कि भविष्य में उनकी कंपनी 2000 करोड़ रुपये तक के कारोबार तक पहुंच सकती है। क्योंकि कंपनी संचालकों को भी मालूम है कि हमारे देश में किसी के पास रिश्ते निभाने का समय नहीं है। क्योंकि अब रिश्ते भी दम तोड़ रहे हैं और मानवीय संवेदनायें भी मरती जा रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

कोहरे ने किया परेशान, ग्रामीण सेवाएं प्रभावित

चमकता राजस्थान। बाप(कविकान्त खत्री)पिछले 3 दिन से मौसम में आये बदलाव ने गांवो से शहरों तक सभी को तकलीफ में डाला। बुधवार की सुबह चारो तरफ घना कोहरा छाया हुआ था। कोहरे के कारण गांवो से शहरों को आने वाले दूधिया, ग्रामीण बस सेवा को प्रभावित किया। कोहरे से हाइवे पर चलने वाले बड़े वाहन नही चल सके। गांवो से मोटर साइकिल पर शहरों में आने वाले दुध विक्रेताओं को खासी परेशानी हुई।कोहरे के कारण ठंड भी बढ़ गई।विवाह शादियों वाले परिवारों को खासी परेशानी उठानी पड़ी। ज्यो-ज्यो दिन बढ़ा कोहरा छँटा। बाप कस्बे में जगह-जगह अलाव तपते हुए ग्रामीण नजर आए। स्कूली बच्चे भी कोहरे व ठंड के कारण ठिठुरते नजर आए।

बाप में एक दिवसीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण संपन्न

चमकता राजस्थान। बाप(कविकान्त खत्री)दूसरा दशक परियोजना के तहत गठित युवा मंचों का एक दिवसीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण बाप स्थित प्रशिक्षण स्थल पर आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में 13 युवा मंचों से जुड़े 42 किशोर-किशोरियां ने भाग लिया। दूसरा दशक की समन्वयक प्रीति राठौड़ ने बताया की इस प्रशिक्षण में पिछले 6 माह में युवा मंचो द्वारा गांव स्तर पर किये गए कार्य किचन गार्डन, मतदाता जागरूकता अभियान, सार्वजनिक स्थानों की साफ सफाई, झोला पुस्तकालय आदि का युवा मंचों के सदस्यों द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया। दूसरा दशक के इकबाल मेहर ने कहा कि युवा मंचो के साथ मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए टांको में टेमिफॉस दवा डालना व सूक्ष्म नियोजन के आयामों की ग्रेड में बढ़ोतरी कैसे कर सके उसके लिए छोटे-छोटे प्रोजेक्ट बनाकर कार्य करने का निर्णय लिया गया। युवा मंचों के सदस्य पठान चारणाई, धन्नी बाप, सतीश जाम्बा, अनु गाड़ना, सावित्री मालियों का बास, नरपत एमडी जाम्बा, करिश्मा कानासर, बड़ी ढाणी आदि ने युवा मंच द्वारा किए गए कार्यों के अनुभव शेयर किए। बशिरों ने बताया कि झोला पुस्तकालय युवा मंच के सदस्यों द्वारा गांव स्तर पर चलाया जा रहा है इसमें बच्चों में किताबों के प्रति रुचि पैदा होगी व हिन्दी शब्द कोष में बढ़ोतरी होगी। दूसरा दशक की अमरू चौधरी व अणदाराम ने कहा की युवा मंच द्वारा गांव स्तर पर बच्चों व गर्भवती महिलाओं के नियमित टीकाकरण करवाने में सहयोग करना चाहिए।

वैर रांगेय राघव महाविद्यालय के सामने रोड़ बना हुआ है दुर्घटना का सबब

- **छात्राओं को कॉलेज जाने पर दुर्घटना ग्रस्त रास्ते पर निकलना हो रहा है मुश्किल**

चमकता राजस्थान। वैर (राजवीर सिंह) श्री रागेंय राघव महाविद्यालय के प्राचार्य बालकृष्ण शर्मा ने बताया कि वैर उपखण्ड से निकलने वाले नवनिर्मित हलेना रोड दुर्घटनाओं का सबब बना हुआ है श्री रागेंय राघव कॉलेज से हलेना की तरफ करीब 150 मीटर आगे इस नए रोड पर अनेक चौड़े व गहरे गड्ढे सड़क के बीचों बीच बने हुए हैं गौरतलब है कि इस रोड के नीचे वैर जलदाय विभाग की राइजिंग पेयजल आपूर्ति लाइन है जो जगह जगह से क्षतिग्रस्त है इससे बड़े खतरनाक गहरे व चौड़े गड्ढे इस रोड पर विगत कई माह से बने हुए हैं जिससे प्रतिदिन दुर्घटनाएं हो रही हैं दुपहिया वाहन चालक फिसलकर गिर रहे हैं राहगीर व पास के खेत मालिक सामाजिक सरोकारों के तहत इन गड्ढों में आए दिन मेहनत करके मिट्टी भर देते हैं लेकिन पेयजल लाइन टूटी होने के कारण यह मिट्टी रोजाना गड्ढों से निकलकर रोड पर फैल जाती है तथा फिसलन होने से वाहन चालक चोटिल होते हैं प्रशासन को इस परेशानी की तरफ शीघ्रता शीघ्र ध्यान देने की आवशयकता है अन्यथा किसी दिन बहुत बड़ी दुर्घटना की संभावना हो सकती हैं प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार रोजाना यहां दर्जनों हादसे घटित हो रहे हैं लेकिन प्रशासन अंधा बना हुआ है प्रशासन के सहयोगार्थ कस्बा वासियों की तरफ से संभावित दुर्घटना पॉइंटस को अवगत कराया है जिस पर अभिलंब कार्रवाई की जाए।

जयपुर विकास प्राधिकरण ने दिया प्रभावी कार्रवाई को अंजाम

साढ़े तेईस बीघा भूमि पर चार नवीन अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

जयपुर, (खलील कुरैशी)29 नवम्बर।

जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-14 में निजी खातेदारी की करीब 23.5 बीघा कृषि भूमि पर 04 नवीन अवैध कॉलोनियों को प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्त किया गया। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन धर्मेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित चंदलाई जिला जयपुर में करीब 0.5 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''श्री श्याम रेजिडेन्सी'' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। संबंधित से जेडीए के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही का नियमानुसार खर्चा-वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

जेडीए द्वारा जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम तीतरया रोड़ के पास जिला जयपुर में करीब 10 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''चन्दन वाटिका-1'' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। संबंधित से जेडीए के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही का नियमानुसार खर्चा-वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

जेडीए द्वारा जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्र्राम तीतरया रोड़ जिला जयपुर में ही तीसरी करीब 10 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''चन्दन वाटिका-2'' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी - ग्रेवल सडकें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। संबंधित से जेडीए के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही का नियमानुसार खर्चा-वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

इसी प्रकार जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम तीतरया रोड़ जिला जयपुर में चौथी करीब 02 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन द स्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। संबंधित से जेडीए के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही का नियमानुसार खर्चा-वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। उक्त कार्यवाही उपनियंत्रक प्रवर्तन-पंचम, प्रवर्तन अधिकारी जोन-14, पी.आर.एन.(साउथ) तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष

- **संघर्ष में एक पक्ष के चार महिला सहित पांच जने गंभीर घायल**

चमकता राजस्थान

नदबई (राजवीर सिंह) लखनपुर थाना क्षेत्र के गांव अरौदा में बुधवार की शाम को रास्ते के विवाद व पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया जहां एक पक्ष के चार महिला सहित पांच जने गंभीर रूप से घायल हो गए। झगड़े की सूचना पर लखनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंच दोनों पक्षों की समझाइश कर झगड़े को शांत कराया जहां एक पक्ष के चार महिला सहित पांच जनों को नदबई के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया जहां गंभीर हालत में एक महिला शीला पत्न ी रामकिशोर जाति जाट को जिला अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया। वहीं पुलिस ने सभी का प्राथमिक उपचार करा कर मेडिकल कराया गया समाचार लिखे जाने तक पुलिस में मामला दर्ज नहीं हुआ है।मेरी जानकारी के अनुसार अरौदा निवासी तेजसिंह ,भगवान सिंह पुत्र राम बक्श व गिर्राज पुत्र कन्हैया में काफी दिनों से रास्ते को लेकर काफी दिनों से विवाद चल रहा था तो बुधवार की शाम को गिर्राज पक्ष के लोगों ने तेजसिंह पक्ष के लोगों पर घर में घुसकर जबरन लाठी सरियों से हमला कर दिया जहां झगड़े में बुरी तरह से वीरवती पत्नी हरिराम,ओमवती पत्न ी तेजसिंह, शीला पत्नी रामकिशोर, सुशीला पत्नी वीरेंद्र व तेजसिंह पुत्र राम बक्श गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर हालत में चिकित्सकों ने शीला पत्नी रामकिशोर को जिला अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया।

35 देशों के अधिकारियों ने विधान सभा के डिजिटल म्यूजियम का अवलोकन किया

चमकता राजस्थान

जयपुर, (खलील कुरैशी)29 नवम्बर। राजस्थान विधान सभा के म्यूजियम को 35 देशों के अधिकारियों ने बुधवार को अवलोकन किया। म्यूजियम में विधान सभा संचालन के विभिन्न डिजिटल दृश्यों, मॉडल्स और चित्रों को देखकर विभिन्न देशों के अधिकारीगण अभिभूत हुए। इन अधिकारियों ने राजस्थान की गौरवमयी गाथा, वर्तमान राजस्थान व उसकी संरचना, विधान सभा की कार्यप्रणाली तथा विभिन्न प्रक्रियाओं को देखा। उल्लेखनीय है कि 35 देशों के यह अधिकारी दी इण्डियन इन्सटीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में डाटा एनालिटिक्स एण्ड रिस्क विषय पर तीन सप्ताह के अन्तरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे है। यह दल अध्ययन भ्रमण के दौरान जयपुर यात्रा पर है। इस दल में श्रीलंका, म्यांमार, फीजी, गुनिया, केन्या, कम्बोडिया, मैक्सिको, ओमान, किजिग्स्तान, साउथ सूडान, ताजिकिस्तान, ट्रिनिडेड एण्ड टोबेगो, मेडास्कर, इण्डोनेशिया, गाम्बिया, घाना, तंजानिया, ईथिओपिआ, अर्जेन्टिना और भूटान के अधिकारीगण शामिल थे।

ऑनलाईन अश्लील वीडियो क्लिप बनाकर ठगी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर महाराष्ट्र पुलिस को किया सुपर्द और उनके कब्जे से 6 मोबाईल किये जप्त

चमकता राजस्थान

डीग !(दीपचंद शर्मा) डीग, ऑनलाइन अश्लील वीडियो क्लिप बनाकर ठगी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर महाराष्ट्र पुलिस को सुपर्द किया गया और आरोपियों के कब्जे से 6 मोबाईल जप्त किए गए । मिली जानकारी के अनुसार भरतपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक रूपेंद्र सिंघ एवं डीग जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय द्वारा वांछित अपराधियों, ऑनलाईन धोखाधड़ी करने वालों की धरपकड़ हेतु अधिक से अधिक करवाई के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है । कामां के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सतीश यादव व पहाड़ी के पुलिस उप अधीक्षक गिर्राज मीणा के निर्देशन में गोपालगढ़ थाना इंचार्ज भरत लाल द्वारा ऑनलाईन अश्लील वीडियो क्लिप बनाकर ठगी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर महाराष्ट्र पुलिस को सुपर्द किया गया । थाना गोपालगढ़ कार्यवाही विवरण 29 बुधवार को एएसआई यश पाटिल मय पीसी पंवार पीसी मुगडे पुलिस स्टेशन बांद्रा मुंबई महाराष्ट्र से थाना हाजा पर उपस्थित आए । जिन्होंने बताया कि पुलिस स्टेशन बांद्रा मुंबई के आरोपियो द्वारा ओनलाईड न्यूड वीडियो दिखाकर व वीडियो बनाकर कई लोगों के साथ धोखाधड़ी करके पैसों की ठगी की जिनकी मोबाईल लोकेशन आपके थाना क्षेत्र में आ रही है इस पर पहाड़ी के पुलिस उप अधीक्षक गिरिराज मीणा के सुपरविजन में टीम तैयार की गई तथा मोबाईल लोकेशन के आधार पर आरोपी जुनेद पुत्र मामुद्दीन मेव उम्र 25 साल निवासी पीपलखेड़ा थाना गोपालगढ़ जिला डीग राजस्थान व रमन पुत्र पूरन जाटव उम्र 44 साल निवासी चंदूपुरा थाना गोपालगढ़ जिला डीग राजस्थान आरिफ पुत्र जाकिर मेव उम्र 21 साल निवासी पीपलखेड़ा थाना गोपालगढ़ जिला डीग राजस्थान को डिटेन किया गया व अनुसंधान अधिकारी एएसआई यश पाटिल द्वारा बाद में पूछताछ व अनुसंधान के बाद उक्त आरोपीयो को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से 6 मोबाईल जप्त किए गए। पुलिस गठित टीम में पहाड़ी के पुलिस उप अधीक्षक गिर्राज मीणा, पहाड़ी थानाधिकारी नरेश चंद शर्मा मय जाप्ता, कैथवाड़ा थानाधिकारी अनिल गौतम मय जाप्ता, डीएसटी प्रभारी बलदेव सिंह मय जाप्ता, गोपालगढ़के एएसआई भरत लाल, एएसआई रामगोपाल, भूरी सिंह, संजय सिंह, रूपन सिंह, दोलीराम थाना गोपालगढ़ क्यूआरटी टीम शामिल रहे ।

देश से नफरत मिटाना मेरा मकसद, इसके लिए मोदी को हराना जरूरी : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने एआईएमआईएम पर कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने और भाजपा की मदद करने का लगाया आरोप

नामपल्ली/एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि उनका लक्ष्य देश में नफरत खत्म करना है और इसके लिए केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हराना जरूरी है। उन्होंने यहां नामपल्ली में एक चुनावी सभा में यह आरोप भी लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), प्रधानमंत्री मोदी और 'कट्टरपंथियों' ने पूरे देश में नफरत फैला दी है। राहुल गांधी ने इस बात का उल्लेख किया कि कांग्रेस ने अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने' का नारा दिया था।

देश के करोड़ों गरीबों के दिलों में है मेरा घर

उन्होंने दावा किया कि उनके खिलाफ 24 मामले दर्ज कर दिए गए क्योंकि वह प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। कांग्रेस नेता का कहना था, 'पहली बार ऐसा हुआ कि मानहानि के मामले में दो साल की सज़ा मिली। मेरी लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई। मेरा सरकारी घर छीन लिया गया। मैंने कहा कि मुझे यह नहीं चाहिए। मेरा घर देश के करोड़ों गरीबों के दिलों में है।'

प्रधानमंत्री मोदी की करते हैं मदद

» राहुल गांधी ने यहां नामपल्ली की रैली में अपने भाषण में उत्तर प्रदेश की अदालत द्वारा उन्हें समन भेजे जाने का कोई जिक्र नहीं किया। उन्होंने कहा, 'लड़ाई वैचारिक है और मैं इससे समझौता नहीं कर सकता।' उन्होंने ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी पर भी हमला बोला और सवाल किया कि आखिर हैदराबाद के सांसद के खिलाफ कितने मामले दर्ज हैं? कांग्रेस नेता ने कहा कि ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियां हमेशा उनके पीछे पड़ी रहती हैं, लेकिन क्या कोई एजेंसी ओवैसी के पीछे पड़ी है? उन्होंने दावा किया, 'सवाल उठता है कि ओवैसी के खिलाफ कोई मामला क्यों नहीं है और इसका जवाब यह है कि एआईएमआईएम अध्यक्ष, प्रधानमंत्री मोदी की मदद करते हैं।'

मेरा लक्ष्य देश से मिटाना है नफरत

» राहुल गांधी ने एआईएमआईएम पर कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने और विभिन्न राज्यों में भाजपा की मदद करने के लिए अपने उम्मीदवार उतारने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'मेरा लक्ष्य देश से नफरत मिटाना है और इसके लिए दिल्ली में मोदी को हराना होगा।' उनका कहना था, 'अगर मोदी को दिल्ली में हराना है तो सबसे पहले बीआरएस अध्यक्ष और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव को तेलंगाना में हराना होगा।' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि बीआरएस, भाजपा और एआईएमआईएम एक साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, 'क्या केसीआर के खिलाफ कोई मामला है....वह (केसीआर) सबसे भ्रष्ट सरकार चला रहे हैं।' उन्होंने कहा कि ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग जैसी एजेंसियां केसीआर या एआईएमआईएम के पीछे नहीं हैं।

संक्षिप्त समाचार

पांचो चुनावी राज्यों में आएगी कांग्रेस : गहलोत

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)अशोक गहलोत ने कांग्रेस की जीत का दावा किया है। उन्होंने बीजेपी पर भी जमकर निशाना साधा। भाजपा ने नफरत और तुष्टिकरण को बढ़ावा देकर देश एवं समाज में ज़हर घोलने का काम किया है जिसे सभ्य और जागरूक समाज ने नकार दिया,गहलोत ने कहा कि पांचो चुनावी राज्यों में भाजपा नहीं आ रही है। हम लोग राजस्थान जीतेंगे और स्पष्ट बहुमत से । राजस्थान में जघन्य हत्या हुई, मर्डर करने वाले इनकी पार्टी के लोग थे। 2 घंटे में हत्यारे को पकड़ लिया गया। गृहमंत्री, मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्री की भाषा एक ही थी। हम इस चुनाव में स्थानीय मुद्दों पर थे।

खाचरियावास ने लगायी खाटूश्यामजी दरबार में हाजरी ,बाबा श्याम के दर्शन कर मांगी जीत की मन्नत

चमकता राजस्थान। खाटूश्यामजी।((नि.सं.) सीकर जिले के खाटूश्यामजी में सिविल लाइंस से कांग्रेस उम्मीदवार प्रताप सिंह खाचरियावास बाबा श्याम के दर्शन करने पहुंचे। खाचरियावास ने बाबा श्याम के दर्शन कर पूजा अर्चना की तथा बाबा श्याम से जीत की मन्नत मांगी। इस अवसर पर श्री श्याम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान ने खाचरियावास का श्याम दुपट्टा ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह प्रदानकर स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि तीन दिसम्बर को मतगणना होगी। इससे पूर्व उम्मीदवार देव दर्शन कर रहे हैं।

विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद भाजपा की समीक्षा बैठक आयोजित

- प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह और प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने ली समीक्षा बैठक
- भाजपा प्रचंड बहुमत से सत्ता में आ रही है, बेहतर मैनेजमेंट और समन्वय के बूते हम कामयाब होंगे:- अरूण सिंह
- सुनियोजित प्रबंधन के साथ किया गया कार्य अकल्पनीय है, मैं सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को सेल्यूट करता हूं:-सीपी जोशी
- भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के पगफेरे ने राजस्थान के चुनावी समर में जान फूंक दी:-राजेन्द्र राठौड़

चमकता राजस्थान

जयपुर,(का.सं.)29 नवंबर 2023। भाजपा प्रदेश कार्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एंव प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के नेतृत्व में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान प्रदेश पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से चुनाव प्रबंधन के अनुभव से जुड़े सुझाव भी लिए गए, जिसमें पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अपने कार्यानुभव से जुड़े विभिन्न सुझाव दिये।भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह ने कहा कि मैने कई राज्यों का चुनावी प्रबंधन देखा है, लेकिन मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि राजस्थान विधानसभा चुनाव का प्रबंधन मजबूत और सुदृढ़ रहा। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के नेतृत्व में पूरी टीम ने सकारात्मक रूख रखते हुए निरंतर काम किया है। सीपी जोशी का सरल व्यवहार और टीम मैनेजमेंट सहित संवाद और समन्वय बेहतर रहा। आवास विकास, मॉनिटरिंग, चुनाव प्रबंधन टीम और मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ के नेतृत्व में मीडिया सेंटर का बेहतर संचालन हुआ। चुनाव के दौरान कांग्रेस की ओर से प्रशासनिक अडंगे लगाए गए, लेकिन भाजपा का मतदाता इतना सजग था कि उसने इन लोगों की एक नहीं चलने दी। इस आधार पर हम कह सकते हैं कि भाजपा प्रचंड बहुमत से सत्ता में आ रही है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने संबोधित करते हुए कहा कि सभी भाजपा कार्यकर्ताओं और उनकी टीम ने रात-दिन श्रम किया है। प्रत्येक कार्यकर्ता भाजपा की प्रचंड जीत का भागीदार रहेगा। सुनियोजित प्रबंधन के साथ किया गया कार्य अकल्पनीय है, मैं सभी को सेल्यूट करता हूं। सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने जो सुझाव मौखिक रूप से दिये हैं, इन सभी सुझावों को लिखित रूप से भी प्रस्तुत करना चाहिए। हम सत्ता का सेमीफाईनल जीत रहे हैं और फाईनल अभी शेष है जिसके लिए हम सभी को एकजुट होकर काम करना होगा। चुनाव प्रबंधन में कार्यकर्ताओं ने रात-दिन निष्ठा से काम किया और कुछ कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने तो घर-परिवार को भी त्याग दिया इस कदर मेहनत की है।

नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के पगफेरे ने राजस्थान के चुनावी समर में जान फूंक दी। आगामी 03 दिसंबर को चुनावी जीत का सेहरा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के बंधना तय है। प्रदेश में सभी कार्यर्ताओं और पदाधिकारियों ने जो मेहनत की है उसके लिए वे सभी प्रशंसा के पात्र है। राजस्थान में प्रचंड बहुमत से भाजपा की सरकार बनना तय है।

भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति के सह-संयोजक ओंकार सिंह लखावत ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारे राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह सहित प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी का बेहतर मार्गदर्शन मिला। निरंतर मार्ग प्रशस्त होने से हमें चुनाव में कोई कठिनाई नहीं आई, और हमारी पूरी टीम इतनी लगन के साथ काम में जुटी हुई थी कि किसी ने शिकायत का मौका नहीं दिया। हमें आगामी चुनावों को लेकर इसी रणनीति के साथ काम करना है, जिससे भाजपा निरंतर सत्ता में बनी रहे।इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रवण सिंह बगड़ी, प्रदेश महामंत्री मोतीलाल मीणा और पूर्व राज्यसभा सांसद रामकुमार वर्मा मौजूद रहे।

नगरपालिका प्रशासन की ओर से मनोहरपुर में रैन बसेरे का निर्माण शुरू

- आवश्यक, असहाय, निशक्तजनों को मिलेगा कड़ाके की सर्दी बचने के लिए अस्थाई आशियाना:- सुनीता प्रजापति

चमकता राजस्थान। मनोहरपुर। (खलील कुरैशी) मनोहरपुर नगर पालिका की ओर से कस्बे के मुख्य बस स्टैंड पर रेन बसेरा का निर्माण किया जा रहा है। गौरतलब है कि इन दिनों पड़ रही कडाके की सर्दी से जरुरतमंदों को राहत का अस्थाई आशियाना उपलब्ध करवाकर नर सेवा ही नारायण सेवा को चरितार्थ करने के पावन और पुनित उद्देश्य को लेकर बुधवार से निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया। नगरपालिका अधिशासी अधिकारी सीमा चौधरी ने बताया कि सभी आवश्यकजन, गरीब, बेसहारा और निशक्तजन ,असहाय व्यक्ति सर्दी में अपना बचाव कर सके। इसके लिए नगर पालिका ने मनोहरपुर बस स्टैंड पुलिया के नीचे 15 / 40 साईज में टेंट लगाया जा रहा है। जिसमें मूलभूत सुविधाओं के साथ रजाई,गद्दे, अलाव जलाने की व्यवस्था रहेगी। उल्लेखनीय है कि इस बारें में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मनोहरपुर चैयरमेन सुनीता प्रजापत ने बताया कि कि मनोहरपुर नगरपालिका प्रशासन की ओर से गरीबों की सेवा के लिए यह अस्थाई रैन बसेरा बनाया जा रहा है जिससे निश्चित रूप से उन्हें सर्दी राहत मिलेगी तथा रैन बसेरा में आने वाले व्यक्ति का आधार कार्ड देखकर ही उसे रैन बसेरें में प्रवेश दिया जाएगा।

एसीबी ने भ्रष्ट राजकीय सेवाधारी अधिकारी पर कसा कानूनी शिकंजा

- राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड के सहायक अभियंता (हाल प्रतिनियुक्ति नगर विकास न्यास, कोटा) के विरूद्ध आय से अधिक सम्पत्ति के मामले में कोटा स्थित 3 ठिकानों पर छापे
- वैध आय से आनुपातिक रूप से कहीं अधिक परिसम्पत्तियों का खुलासा
- आवास एवं अन्य ठिकानों पर तलाशी जारी

चमकता राजस्थान

जयपुर, (खलील कुरैशी)29 नवम्बर, बुधवार। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी की इन्टेलिजेंस इकाई द्वारा विकसित सूत्र सूचना पर आज ए.सी.बी. की विशेष अनुसंधान इकाई (एस. आई. डब्ल्यू.) एवं विभिन्न टीमों द्वारा कार्यवाही करते हुये कमल मीणा सहायक अभियंता, राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड हाल प्रतिनियुक्ति नगर विकास न्यास, कोटा के कोटा में स्थित 3 विभिन्न ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया गया।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी (कार्यवाहक महानिदेशक) ने बताया कि ब्यूरो मुख्यालय द्वारा कमल मीणा सहायक अभियंता, राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड हाल प्रतिनियुक्ति नगर विकास न्यास, कोटा के विरूद्ध शिकायत का सत्यापन किया जाकर आय से अधिक परिसम्पत्तियां अर्जित करने का मामला बनना पाये जाने पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान अधिकारी ललित शर्मा विशेष अनुसंधान इकाई, जयपुर के नेतृत्व में ब्यूरो की एस.आई. डब्ल्यू जयपुर इकाई तथा इन्टेलिजेंस यूनिट के सहयोग से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती प्रेरणा शेखावत एसीबी कोटा ग्रामीण, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री राजेश आर्य ए.सी.बी. टोंक, उप अधीक्षक पुलिस श्री नीरज भारद्वाज एसीबी जयपुर ग्रामीण, पुलिस निरीक्षक श्री रघुवीर शरण एसीबी एस.आई.यू. जयपुर एवं उनकी टीमों द्वारा आज अलसुबह उनके कोटा स्थित 3 विभिन्न ठिकानों पर तलाशी की कार्रवाई की गई है।

ब्यूरो की प्रथम सूचना रिपोर्ट के प्राथमिक आकलन एवं अब तक मिले दस्तावेजों के अनुसार कमल मीणा सहायक अभियंता, राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड हाल प्रतिनियुक्ति नगर विकास न्यास, कोटा एवं उनकी पत्नी द्वारा अनेक परिसम्पत्तियां अर्जित करने की सूचना है, जो उनकी वैध आय से आनुपातिक रूप से कहीं अधिक है। आरोपी सहायक अभियंता द्वारा अपनी अवैध आय को कोटा, जयपुर, केशोरायपाटन बूंदी में आवासीय / व्यावसायिक / भूखण्डों फ्लैटों एवं म्यूचवल फण्ड, इन्श्योरेन्स आदि में निवेश करना ज्ञात हुआ है। आरोपी एवं उसके परिजनों के नाम से विभिन्न स्थानों पर स्थित करीब 29 आवासीय एवं कृषि भूखण्डों के दस्तावेज बरामद हुये हैं। जिनकी बाजार कीमत करोड़ों रुपयों की मानी जा रही है। आरोपी के घर एवं बैंक लॉकरों से भी करीब 37 तोला स्वर्ण आभूषण, 1 किलो 500 ग्राम चांदी एवं नगदी बरामद हुई है।एसीबी उप महानिरीक्षक डॉ. रवि के निर्देशन में ए.सी.बी. की विभिन्न टीमों द्वारा आरोपी के ठिकानों पर तलाशी अभियान जारी है, जिसमें और अधिक परिसम्पत्तियों का पता चलने की संभावाना है। आरोपी के विरूद्ध आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित करने का प्रकरण पीसी एक्ट में दर्ज किया जाकर अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी (अतिरिक्त चार्ज महानिदेशक) ने समस्त प्रदेशवासियों से अपील की है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टोल-फ्री हैल्पलाईन नं. 1064 एवं हँ३रंस्त्रस्त्र हैल्पलाईन नं. 94135-02834 पर 24७7 सम्पर्क कर भ्रष्टाचार के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। एसीबी आपके वैध कार्य को करवाने में पूरी मदद करेगी। विदित रहे कि एसीबी राजस्थान राज्य में राज्य कर्मियों के साथ-साथ केन्द्र सरकार के कार्मिकों के विरुद्ध भी कार्यवाही करने को अधिकृत है।

सलाह देना आपकी आदत तो नहीं?

सलाह एक ऐसा शब्द है जिसका लेने-देने में जितना कम से कम उपयोग किया जाए उतना ही संबंधों के लिए बेहतर रहता है। आवश्यकतानुसार इसका आदान-प्रदान उचित है किंतु जरूरत से ज्यादा सलाह फिर संबंधों में तनाव ही लाती है। इसका प्रगाढ़ता-घनिष्ठता पर असर दिखाई देने लगता है।

रीमा व तनु दोनों में सगी बहनें होने के बावजूद सहेलियों जैसी घनिष्ठता थी। चूँकि रीमा कानपुर व बड़ी बहन तनु दिल्ली रहती थी इसलिए तकरीबन रोज ही फोन पर बातें कर दिल को तसल्ली मिल जाती थी।

> यदि आप कभी किसी को कुछ राय अथवा सलाह देते हैं या कभी देना चाहते हैं तब भी संबंधित व्यक्ति तक ही इसको सीमित रखें न कि चारों ओर अपनी दी हुई सीख का गुणगान ही करते रहें।

परंतु इधर कुछ दिनों से रीमा तनु के साथ बातें करने से कतराने लगी है और पहले जैसी आत्मीयता भी नहीं दिखाई दे रही थी। कारण, तनु का फोन पर रीमा को घर की हर छोटी-छोटी बात पर सलाह-मशविरा देना। बात-बात पर टोका-टाकी कर ढेरों हिदायतें दे डालना। मसलन आज खाने में यह क्यों बनाया, वैसा बनाना चाहिए या यह कोई समय है खाने का, फलाँ समय तक खा लेना चाहिए। कभी-कभार बच्चों के संग बाहर खाने-पीने चले जाओ तो इसी बात पर सलाह कि नहीं जाना चाहिए, घर में ही खाने की व्यवस्था होनी चाहिए वगैरह-वगैरह। यहाँ तक कि कई बार तो तनु रीमा को घर की सफाई-व्यवस्था तक के विषय में मशविरा देने लगती है, बात-बात पर एक ही वाकया कि अपना काम करने का रूटीन बदल। हर काम के करने का तरीका व समय तक निश्चित करने लगी है। इतना ही नहीं, आजकल तो यह सलाह तक देने लगी है कि कौन-कौन-से रिश्ते-नातों से मिलना या संबंध रखने चाहिए। यदि कभी आपस में हुई बातचीत के बारे में बता दो फिर तो लंबा-चौड़ा भाषण ही शुरू कर देगी कि तुझे ऐसे नहीं कहना था या फिर उनके साथ ऐसे बर्ताव करती तो ठीक रहता, खैर! अब आगे से ध्यान रखना।

रीमा का यही कहना है कि अब इतनी दूर बैठे तनु को क्या मालूम कि बच्चों की पढ़ाई-लिखाई देखते हुए सबकी सहूलियत अनुसार कैसे मैंने सब कुछ एडजस्ट किया हुआ है। हरेक बात पर उसकी सलाह सुनकर ऐसा लगने लगा है मानो मुझमें तो जरा भी समझ नहीं, उसके भरोसे ही मेरी गृहस्थी चल रही है।

सही ही है, कभी-कभी तो किसी अपने का अपनों को समझाना या अक्ल की चार बातें बताना मन को भला लग लग सकता है किंतु रोज-रोज की यही सलाह फिर सही नहीं लगती। न ही यह उचित जान पड़ता है कि हरदम दूसरों के घर-गृहस्थी के मामले में इतना हस्तक्षेप किया जाए कि आपसी बातचीत से व्यक्ति कतराने लगे और संबंधों में भी दरार व तनाव की स्थिति आने लगे। ध्यान रहे, हर किसी का अपनी सुविधानुसार काम करने का ढंग होता है और फिर उसी अनुसार घर में रूटीन बँधा होता है जिसे सिर्फवही समझ सकता है। तो ऐसे में किसी दूसरे का जरूरत से ज्यादा दलखअंदाजी करना सही नहीं होता है। अत: रीमा व तनु की भाँति संबंधों में खटास न आने पाए, इसके लिए यदि कुछ खास बातों पर गौर कर लिया जाए तो इस स्थिति से काफी हद तक बचा जा सकता है-

- संबंध कितने भी घनिष्ठ क्यों न हों, बात-बात पर अपने नाते-रिश्तेदारों को सलाह देना बातचीत का अहम मुद्दा न बनाएँ। इसमें न तो आपका बड़प्पन है न ही आपके व्यवहार की परिपक्वता दिखाई देती है।
- हर किसी की अपनी जरूरतें तथा परेशानियाँ होती हैं जिनके तहत वह रोजमर्रा के कार्य करता है। इसलिए दूसरे के व्यक्तिगत मामलों में अपनी सोच अनुसार न तो तर्क दें और न ही उनमें मीनमेख निकालने का बेवजह प्रयत्न करें।
- बात-बात पर 'भई! हम तो तुम्हारे अपने हैं, तुम्हें अपना मानते हैं इसीलिए समझाते हैं, हर बात का भला-बुरा बताते हैं' कहते रहना कहीं से भी शोभा नहीं देता। कोई कितना भी आपके करीब क्यों न हो तब भी जब देखो तब न तो दूसरे के द्वारा अपनी कमियाँ सुनना चाहता है, न ही अपने काम की तुलना करना पसंद करता है।
- याद रखें! यदि आप कभी किसी को कुछ राय अथवा सलाह देते हैं या कभी देना चाहते हैं तब भी संबंधित व्यक्ति तक ही इसको सीमित रखें न कि चारों ओर अपनी दी हुई सीख का गुणगान ही करते रहें। ऐसा कहने से स्वयं को अधिक योग्य व श्रेष्ठ तो साबित कर नहीं पाएँगे, बल्कि इससे आपसी संबंधों में नकारात्मक असर हो मान-प्रतिष्ठा व इज्जत में जरूर कमी आ सकती है।
- हम सभी जानते हैं कि सम्पूर्ण रूप से प्रतिभावान अथवा गुणगान कोई नहीं होता, पर हाँ! हर व्यक्ति में कोई न कोई खासियत या खूबी अवश्य होती है। इसलिए लंबे समय तक रिश्तों में स्नेह-प्रेम बनाए रखना चाहते हैं तो केवल सलाह न देकर एक-दूसरे की कमियों को नजरअंदाज कर आपसी प्रशंसा करना भी अवश्य जानें। जहाँ यह रिश्तों की भलाई के लिए अत्यंत जरूरी है वहीं इससे संबंधों में मिठास व माधुर्य सदैव के लिए बना रहता है।

अत: आपकी गरिमा व इज्जत स्वयं आपके ही हाथ है। अपना समझ जब किसी को उसके कहने पर आवश्यकतानुसार ही सलाह देंगे तब वह भी आपको अपना मान उन सभी पर अमल करेगा तथा तहेदिल से शुक्रगुजार हो आपके अपनेपन का मान-सम्मान बरकरार रखेगा। इसके अलावा सबसे जरूरी बात यह है कि जब आप बिन कहे बात-बात पर अपनी राय-मशविरा नहीं देंगे तभी सही मायने में आपकी सुझाई हुई बात का मान या मूल्य बना रहेगा, उसका प्रभाव सर्वत्र दिखेगा और आपसी रिश्तों में भी अपनत्व व एक-दूसरे के प्रति लगाव पूर्ववत बना रह सकेगा।

दिल खोलकर हंसें, ऊर्जावान रहें

घर में हों या बाहर हों, प्रत्येक इंसान की जिंदगी में उतार-छढ़ाव आते ही रहते हैं। सुख-दुख हमारी जिदगी के मुख्य अंग हैं। खुशी के पल तो आसानी से कट जाते हैं परन्तु दुख का समय काटे नहीं कटता। इंसान दुख के भंवर में फंस कर कुछ न कुछ उल्टा-पुल्टा विचार करता रहता है, उसकी भूख-प्यास खत्म हो जाती है, किसी से भी बात करना उसे अच्छा नहीं लगाता। तनाव, परेशानी प्रत्येक के जीवन में आते हैं लेकिन जब इंसान कुछ कर नहीं पाता और स्थितियां उसके वश से बाहर हो जाती हैं तो वह सब भाग्य और वक्त के सहारे छोड़ देता है क्योंकि उनके बारे में बार-बार सोच कर या तो वह अपना खून जला-जला कर स्वयं को रोगी बना लेता है या अपने दुख के कारण बाकी अपनों को भी दुखी कर देता है।

ऐसे में जरूरत है एक मुस्कुराहट की। थोड़ी-सी भी हंसी जिसके पास है वह अपने उदास जीवन में खुशियों के रंग भर सकती है।

कई बार ऐसा होता है कि आपको किसी दिन किसी न किसी कारणवश कोई तनाव हो जाता है तो आप स्वयं में ही उलझ जाते हैं। एसे में जब अचानक ही आपको कोई ऐसी बात याद आ जाती है जिससे कि बरबस आपके होंठों पर एक मुस्कान आ जाती है तो आप पलभर में ही कुछ देर के लिए तनाव को भूल जाते हैं और स्वयं को हल्का-फुलका महसूस करने लगते हैं।

जीवन को सकारात्मक रूप से जीना स्वयं आपके हाथ में होता है। एक जरा-सी मुस्कुराहट इंसान को जीना सिखाने के साथ-साथ उसके जीवन-परिवर्तन में भी काफी सहायक होती है। जरा-सा हंस देने से नकारात्मकता स्वयं ही दूर हो जाती है। आपको खुश देख कर आपके आसपास भी पॉजीटिव एनर्जी का वातावरण पैदा हो जाता है। ध्यान रखें कि हमेशा दिल से हंसें न कि दिखावटी हंसी। हंसना भी कई तरह का होता है जैसे कि मुस्कुराना ठहाके हंसना और सामान्य रूप से हंसना।

हंसने के और भी कई फायदे होते हैं। खुल कर हंसने से हमारे शरीर से अतिरिक्त कैलोरीज खत्म होती है जससे वजन नियंत्रण में सहायता मिलती है। हंसने से हमारे चेहरे की मांसपेशियों में खिंचाव उत्पन्न होता है जिससे रक्त-संचालन में तेजी आती है और चेहरा ताजगी से भर उठता है। हंसने से हमारे फेफड़ों और चेहरे की अच्छी कसरत भी हो जाती है। रक्तसंचार की गति तेज होने से रक्त में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ जाती है। अधिक ऊर्जा मिलने से शरीर भी स्वस्थ रहता है। कुल मिला कर देखा जाए तो तनाव के क्षणों में इंसी एक औषधि का कार्य करती है।

आजकल लोग टैलीविजन पर भी लाफ्टर से संबंधित प्रोग्राम देखना पसंद करते हैं ताकि पूरे दिन की थकावट और टैंशन को दूर कर सकें। रोगों को दूर करने के लिए दवाइयों की बजाय 'लाफ्टर क्लबों' का प्रजलन बढ़ता ही जा रहा है। सुबह-सुबह लोग घूमते हुए या योग करते हुए तथा ठहाके मारते हुए देखे जा सकते हैं।

ईश्वर ने इंसान को हंसी एक ऐसे वरदान के रूप में प्रदान की है जिस पर कोई टैक्स नहीं देना पड़ता। इसलिए हंसी को एक महत्वपूर्ण चिकित्सा पद्धति के रूप में विकसित करने पर इसे निरंतर विस्तृत किया जा रहा है, लाफ्टर थैरेपी के रूप में। जो लोग हंसमुख होते हैं उनसे हर व्यक्ति दोस्ती करना चाहता है। कुछ लोग किसी भी समस्या के प्रति इतने गंभीर हो जाते हैं कि चेहरे से अपनी असली उम्र से दोगुनी उम्र के नजर दीर्घायु बनाने के साथ-साथ आपको जवान दिखाने में भी सहायक होती है क्योंकि हंसने से झुर्रियों का नाश होता है।

बस अपने दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन लाएंगे तो नकारात्मकता का कोई नामो-निशान नहीं रहेगा। अत: स्वयं भी हंसिए और दूसरों को भी हंसाइए।

पाइनएपल हलवा

सामग्री : 250 ग्राम ताजा पाइनएप्पल बारीक कटा, 1 कप सूजी, 1 टेबलस्पून शुद्ध घी, 10-12 केसर रेशे, 1/2 कप चीनी, 4-6 बादाम बारीक कटे

विधि : नॉन स्टिक कढ़ाई में घी गर्म करें। इसमें सू जी डालकर लगातार चलाते हुए गोल्डन ब्राउन होने तक भूने। केसर डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। पाइनएप्पल डाले और दो-तीन मिनट और पकाएं। एक कप पानी डालकर मध्यम आंच पर तीन मिनट ढंक कर पकाएं। चीनी डालें और लगातार चलाती रहें जब तक कि चीनी अच्छी तरह घुलन जाए और सूजी पूरी पक न जाए। बादाम से सजाकर सर्व करें।

सर्दियों में सेहत के साथी

ये चीजें आपको आपके किचन में ही मिल सकती हैं। इनमें मूँगफली, तिल, गुड़, खजूर आदि शामिल हैं। ये खाद्यान ठंड में आपकी सेहत के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। आइए, इनके गुणों के बारे में जानते हैं कि किस प्रकार इनके इस्तेमाल से आप सर्दियों में अपनी सेहत को दुरुस्त बनाए रख सकते हैं।

मूँगफली

आयुर्वेद की मान्यता है कि मूँगफली का तेल गुणों में जैतून के तेल के समान होता है। मूँगफली कातेल आपकी पाचनशक्ति बढ़ाता है। यह घावों को भरने और चेहरे की चमक बढ़ाने में भी सहायक होता है। मूँगफली में तेल, प्रोटीन, विटामिन बी-1, बी-2 और विटामिन-ई प्रचुरता में उपलब्ध होते हैं।

मूँगफली में प्रोटीन की मात्रा मांस तथा अंडों में उपलब्ध प्रोटीन के बराबर ही होती है। सर्दियों में मूँगफली बरफी बनाकर आप इसे आसानी से अपने भोजन में शामिल कर सकते हैं। मूँगफली बरफी बनाना आसान है। इसके लिए 500 ग्राम मूँगफली लेकर इसे घी में तल

लें। 1 किलोग्राम गुड़ लेकर इसे कड़ाही में गर्म करके पिघला लें। इसी गुड़ में पिसी हुई 200 ग्राम सौंफडाल दें तथा मूँगफली की गिरियों को इसमें अच्छी तरह मिला दें। यह बरफी आपकी पाचनशक्ति को सुधारने के साथ आपकी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होगी।

तिल

ठंड में त्वचा में रूखापन एक आम समस्या है। तिल के तेल की मालिश त्वचा का रूखापन दूर करती है। साथ ही 10-20 ग्राम काले तिल चबाकर ठंडा पानी पीने से दाँतों की नैसर्गिक चमक बरकरार रहती है। 10 ग्राम काले तिल को पानी के साथ पीसकर इसमें एक चम्मच मक्खन मिलाकर चाटने से खूनी बवासीर (पाइल्स) से होने वाला रक्त-स्त्राव बंद हो जाता है। आप चाहें तो इसमें मिश्री भी मिला सकते हैं। सुबह-शाम यह प्रयोग करें। सर्दियों में छोटे बच्चों में बिस्तर गीला करने की समस्या बढ़ जाती है। इसके निदान के

लिए 100 ग्राम काले तिल व 50 ग्राम अजवाइन को 200 ग्राम गुड़ में मिलाकर खिलाएँ। बालों के झड़ने और सफेद होने से रोकने लिए तिल से बनी गजक का सेवन करें।

गुड़

आयुर्वेद के मतानुसार गुड़ क्षारीय, भारी व स्निग्ध होता है। ठंड के दिनों में यह शक्तिवर्धक है और मूत्र की रुकावटों को दूर करता है। गुड़ जितना पुराना हो उतना अधिक गुणों से युक्त होता है। गुड़ में पाया जाने वाला क्षारीय गुण रक्त की अम्लता को दूर करता है। मेहनतकश एवं खिलाड़ियों के लिए तो यह किसी वरदान से कम नहीं है। बढ़ते बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के लिए गुड़ बहुत लाभकारी होता है। इसका नियमित सेवन शरीर को लाभ पहुँचाता है। भोजन के बाद गुड़ खाना सेहत के लिए लाभकारी होता है। सोंठ या सूखी अदरक के साथ गुड़ का सेवन लाभकारी होता है। ठंड में काले तिल में पुराना गुड़ मिलाकर बनाए लड्डुओं का सेवन दमा, जुकाम जैसी श्वसन तंत्र की बीमारियों में राहत दिलाता है।

खजूर

आयुर्वेद का मानना है कि खजूर हृदय को असीम शक्ति प्रदान करता है। पूरे शरीर में होने वाली जलन को भी यह दूर करता है। यह चिकना और पचने में भारी होता है। खजूर के सेवन से दमे के रोगियों के फेफड़ों से बलगम आसानी से निकल जाता है। यह लिवर को भी शक्ति प्रदान करता है। यह शरीर में रक्त-वृद्धि करता है। लकवा और सीने के दर्द की शिकायत को दूर करने में भी खजूर सहायक होता है। साइटिका रोग से पीड़ितों को

भी इसके सेवन से लाभ होता है।

छुआरा यानी सूखा हुआ खजूर अमाशय को बल प्रदान करता है। छुआरे को दूध में उबालकर पीने से शारीरिक दुर्बलता दूर होती है। छुआरे की तासीर गर्म होने से ठंड के दिनों इनका सेवन नाड़ी के दर्द में भी आराम देता है

हेल्थ प्लस

अनीमिया

जब व्यक्ति स्वस्थ होता है तो हीमोग्लोबिन का सामान्य स्तर पुरूषों में प्रति सौ मिलीलीटर रक्त में 13 ग्राम और स्त्रियों में 12 ग्राम माना जाता है। जब यह स्तर कम हो जाता है तो व्यक्ति में खून की कमी मानी जाती है। विशेषज्ञ हीमोग्लोबिन के स्तर की जांच कर ही अनीमिया रोग के बारे में पता लगाते हैं। अनीमिया का प्रमुख कारण लौह तत्व या आयरन की कमी है। इसके अतिरिक्त अत्यधिक रक्तस्त्राव भी इसका कारण हो सकता है।

हमारे भोजन में कुछ स्वास्थ्यप्रद पदार्थ होते हैं, जिन्हें पोषक तत्व कहा दाता है जिनमें से लौह तत्व एक महत्वपूर्ण घटक है। यह लौह तत्व रक्त निर्माण के लिए बहुत अनिवार्य होता है। इस लौह तत्व या आयरन की कमी के कारण रक्तक्षीणता की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

रक्त की कमी अर्थात अनीमिया एक ऐसा ही रोग है जिसका कारण है शरीर में रक्त बनने के लिए जिन तत्वों की आवश्यकता होती है उनकी कमी होना। यह कमी अधिकतर गर्भवती महिलाओं, बच्चों व लड़कियों में देखने को मिलती है।

हमारे शरीर में विशाल संख्या में लाल रक्त कण होते हैं। इन लाल रक्त कणों का कार्य फेफड़ों से ऑक्सीजन सारे शरीर को पहुंचाना होता है। इन लाल रक्त कणों में एक रासायनिक पदार्थ पाया जाता है हीमोग्लोबिन, जो ऑक्सीजन को शरीर के अन्य भागों में पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जब व्यक्ति स्वस्थ होता है तो हीमोग्लोबिन का सामान्य स्तर पुरूषों में प्रति सौ मिलीलीटर रक्त में 13 ग्राम और स्त्रियों में 12 ग्राम माना जाता है। जब यह स्तर कम हो जाता है तो व्यक्ति में खून की कमी मानी जाती है। विशेषज्ञ हीमोग्लोबिन के स्तर की जांच कर ही अनीमिया रोग के बारे में पता लगाते हैं। अनीमिया का प्रमुख कारण लौह तत्व या आयरन की कमी है। इसके अतिरिक्त अत्यधिक रक्तस्त्राव भी इसका कारण हो सकता है।

हमारे शरीर के लिए लौह तत्व बहुत जरूरी है और हीमोग्लोबिन का प्रमुख भाग है। हीमोग्लोबिन के कारण ही लाल रक्त कण फेफड़ों में ऑक्सीजन ग्रहण कर शरीर के दूसरे भागों तक पहुंचाते हैं और यह तो हम जानते ही हैं कि बिना ऑक्सीजन के हमारा शरीर कोई कार्य नहीं कर सकता। सारे जीवित ऊतक भी ऑक्सीजन के अभाव में मृत हो जाते हैं। हीमोग्लोबिन के कारण ही लाल रक्त कण अवशिष्ट पदार्थ जैसे कार्बन डाईऑक्साइड आदि फेफड़ों को वापस पहुंचाते हैं इसलिए हीमोग्लोबिन हमारे जीने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। शरीर में 75 प्रतिशत लौह तत्व हीमोग्लोबिन के रूप में मौजूद होता है और लौह तत्व का थोड़ा प्रतिशत अस्थि मज्जा, जिगर व स्पलीन में जमा होता है, जो हमारी जरूरत के अनुसार रक्त में हीमोग्लोबिन बनाने के लिए मुक्त कर दिया जाता है। लौह तत्व की थोड़ी-सी मात्रा हमारे शरीर की मांसपेशियों में भी होती है पर यह लौह तत्व मायोग्लोबिन नामक प्रोटीन का ही भाग होता है।

अनीमिया गर्भवती महिलाओं व बच्चों में अधिकतर देखने को मिलता है। मासिक स्त्राव के समय भी महिलाओं में लौह तत्व की कमी होती है क्योंकि मासिक स्त्राव के दिनों में एक दिन में करीब 5 मिलीग्राम लौह तत्व की कमी होती है जो हमारे भोजन और खून के भंडार से पुन: बन जाता है। जिन महिलाओं को भारी रक्तस्त्राव होता है उनमें यह कमी अधिक होती है। गर्भवती महिलाओं को भी लौह तत्व की अधिक आवश्यकता होती है क्योंकि उन्हें स्वयं व बच्चे, दोनों को जरूरी लौह तत्व की पूर्ति करनी होती है इसलिए उन्हें अधिक लौह तत्व युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए। बच्चों को भी लौह तत्व की आवश्यकता अधिक होती है क्योंकि उनमें विकास जल्दी होता है और अगर शरीर का आकार बढ़ता है तो आपको और रक्त की आवश्यकता है अर्थात अधिक लाल रक्त कण या अधिक लौह तत्व और अगर आपको भोजन से वह लौह तत्व नहीं प्राप्त होता तो आप अनीमिया का शिकार हो सकते हैं।

अनीमिया के लक्षण थरकावट, डिप्रैशन, कमजोरी, सिरदर्द, चक्कर, पीलापन, नाखूनों का पीलापन है। अगर आपको ऐसे लक्षण लगते हैं तो आप रक्त की जांच करवा कर यह पता लगा सकते हैं कि आप अनीमिया के शिकार हैं या नहीं। डाक्टर अनीमिया होने पर आयरन टैबलेट, कैप्सूल आदि खाने को देते हैं लेकिन आप अनीमिया के शिकार पुन: न हों इसलिए अपने भोजन में आयरन की मात्रा सही रखें व संतुलित भोजन लें।

आयरन के अच्छे स्त्रोत हैं मांस, अखरोट, केला, आड़ू, मेवे, बींस, अंकुरित दालें, बंदगोभी, गाजर, खीरा, दालें, प्याज, मटर, आलू, सोयाबीन, पालक, मेथी, अंडे आदि। इसलिए इन्हें अपने भोजन का अंग बनाइए।

रक्त निर्माण के लिए मां के शरीर से बच्चा लौह तत्व का बड़ी मात्रा में उपयोग करता है। अत: मां के शरीर में लौह तत्व का एक बड़ा भंजार संग्रहित करना अनिवार्य होता है। पैदा होने पर बच्चे के शरीर में लौह तत्व बड़ी मात्रा में जमा होना चाहिए क्योंकि मां के दूध में, जिस पर र्क महीनों तक बच्चा आश्रित रहता है, लौह तत्व पर्याप्त नहीं होता। लोहे की कमी के कारण बहुत से बच्चों में अनीमिया रोग हो जाता है इसलिए गर्भवती महिलाओं को लौह तत्व युक्त खाद्यान्नों का सेवन नियमित करना चाहिए।

सिंपल टिप्स फॉर मसाज

प्रतिदिन तेल मालिश करने से बुढ़ापे के लक्षण और थकावट नष्ट होती है। दृष्टि निर्मल होती है, शरीर पुष्ट होता है, आयु बढ़ती है, नींद अच्छी आती है, त्वचा निर्मल, चमकीली और झुर्रीरहित होती है एवं शरीर सुदृढ़ बना रहता है।

जो तेल जिस पदार्थ से निकाला गया होता है, वह उसी पदार्थ के गुणों को धारण करता है, यह बात बाकी सभी तेलों के गुणों को जानने के लिए पर्याप्त है। जिस प्रकार तेल के लेप से घड़ा, तेल लगाने से चमड़ा, गाड़ी के पहिए का अक्ष यानी धुरी (एक्सिल) या लाठी आदि पदार्थ मजबूत और रगड़ को सहने की क्षमता वाले हो जाते हैं। उसी प्रकार शरीर पर तेल की मालिश करने से त्वचा दृढ़ और सुन्दर होती है, शरीर मजबूत होता है। वातजन्य रोग नहीं होते तथा शरीर में श्रम, व्यायाम और क्लेश सहने की शक्ति आती है।

मालिश की गुणवत्ता और उपयोगिता इसी से सिद्ध होती है कि जन्मकाल से ही मालिश हमारा साथ देने लगती है। नवजात शिशु के शरीर पर, घर की बुजुर्ग महिला या दाई द्वारा, आटे की तेल युक्त लोई फेरकर तेल से मालिश करने की परम्परा चली आ रही है।

रूप और यौवन की रक्षा

तेल मालिश करने से त्वचा चिकनी, स्पर्श में कोमल, बलवान और देखने में सुन्दर हो जाती है। शरीर सुन्दर, बलवान और प्रियदर्शी होता है तथा बुढ़ापे के लक्षण बहुत कम प्रकट होते हैं। आप स्वयं नित्य नियमपूर्वक मालिश करके इसके गुण-लाभ देख सकते हैं कि आपके शरीर के स्वास्थ्य, रूप और यौवन पर कितना अच्छा प्रभाव पड़ता है।

आतंकियों के साथ मिलकर गैंगस्टर रच रहे बड़ी साजिश!

अमेरिका ने किया अलर्ट तो भारत ने लिया बड़ा एक्शन

नई दिल्ली/एजेंसी

भारत ने अमेरिकी धरती पर एक सिख चरमपंथी को मारने की साजिश से संबंधित आरोपों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया है. 'फाइनेंशियल टाइम्स' में अज्ञात सूत्रों का हवाला देते हुए पिछले हफ्ते आई खबर में कहा गया था कि अमेरिकी अधिकारियों ने गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को विफल कर दिया, और इस साजिश में शामिल होने की चिंताओं को लेकर भारत सरकार को एक चेतावनी जारी की.

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बुधवार को कहा कि भारत ने मामले के सभी प्रासंगिक पहलुओं पर गौर करने के लिए 18 नवंबर को एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया है. पन्नू एक सिख चरमपंथी है जिसके पास अमेरिका और कनाडा की नागरिकता है. भारतीय जांच एजेंसियों को आतंकवाद के विभिन्न आरोपों में उसकी तलाश है.

बागची ने कहा, ''हम पहले ही कह चुके हैं कि द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग पर अमेरिका के साथ चर्चा के दौरान, अमेरिकी पक्ष ने संगठित अपराधियों, बंदूक चलाने वालों, आतंकवादियों और अन्य लोगों के बीच सांठगांठ से संबंधित कुछ जानकारी साझा की थी. '' वह इस मामले पर मीडिया के एक सवाल का जवाब दे रहे थे.

उन्होंने कहा, ''हमने यह भी संकेत दिया था कि भारत ऐसी सूचनाओं को गंभीरता से लेता है क्योंकि वे हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा हितों पर भी प्रभाव डालती हैं और संबंधित विभाग पहले से ही इस मुद्दे की जांच कर रहे हैं. '' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, ''इस संदर्भ में यह सूचित किया जाता है कि 18 नवंबर को भारत सरकार ने मामले के सभी प्रासंगिक पहलुओं पर गौर करने के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया है.''

बागची ने कहा कि भारत समिति के निष्कर्षों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करेगा. 'फाइनेंशियल टाइम्स' की खबर के कुछ सप्ताह पहले, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने जून में वैंकूवर उपनगर में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की ''संभावित'' संलिप्तता के आरोप लगाए थे। ट्रूडो के आरोपों को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया था. हालांकि इस घटनाक्रम के बाद दोनों देशों के रिश्तों में तनाव आ गया.

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर : अब मैतेई उग्रवादी संगठनों पर कसेगा शिकंजा, गृह मंत्रालय ने बनाया ट्रिब्यूनल; गुवाहाटी हाईकोर्ट के जज शामिल

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्र सरकार ने मणिपुर में संचालित मैतेई उग्रवादी समूहों पर प्रतिबंध बढ़ाने के फैसले पर विचार करने के लिए न्यायाधिकरण का गठन किया है। एजेंसी के अनुसार, गृह मंत्रालय ने गैर कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) न्यायाधिकरण का गठन किया है। गुवाहाटी हाई कोर्ट के न्यायाधीश संजय कुमार मेधी की सदस्यता में न्यायाधिकरण का गठन किया गया है। न्यायाधिकरण यह फैसला करेगा कि मणिपुर के मैतेई उग्रवादी संगठनों के साथ-साथ उनके गुटों, विंग और फ्रंट संगठनों को गैरकानूनी घोषित करने के लिए पर्याप्त कारण हैं या नहीं।

बता दें कि मणिपुर में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी बड़े लेवल पर सक्रिय हैं। इसमें रिवॉल्यूशनरी पीपुल्स फ्रंट, यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट शामिल हैं। इसके अलावा इसकी सशस्त्र शाखा मणिपुर पीपुल्स आर्मी, पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कंगलीपाक और सशस्त्र संगठन के साथ समन्वय समिति भी शामिल है।

पांच राज्यों में व्यस्त प्रचार कार्यक्रम के बाद राहुल चार दिवसीय दौरे पर केरल पहुंचे

नई दिल्ली/एजेंसी। पांच राज्यों तेलंगाना, छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश और मिजोरम में धुआंधार प्रचार अभियान के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी चार दिवसीय यात्रा पर अपने संसदीय क्षेत्र केरल के वायनाड पहुंचे हैं।

पार्टी नेताओं ने कहा कि बीती रात वायनाड पहुंचे गांधी एक दिसंबर तक वहां रहेंगे और कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

तेलंगाना में चुनाव प्रचार के आखिरी दिन राहुल गांधी ने गिग श्रमिकों, स्वच्छता कर्मचारियों और ऑटो चालकों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने एक संयुक्त जनसभा को संबोधित करने के अलावा अपनी बहन और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ एक संयुक्त रोड शो भी किया।

नेता 4 दिसंबर को संसद के शीतकालीन सत्र से तीन दिन पहले 1 दिसंबर की रात को दिल्ली लौटेंगे। पिछले 45 दिन में उन्होंने उन पांच चुनावी राज्यों में कई सार्वजनिक बैठकों को संबोधित किया। वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी।

कर्नाटक में बिजली गिरने से दो भाइयों की मौत

शिवमोग्गा/एजेंसी। कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में बिजली गिरने से बुधवार को दो भाइयों की मौत हो गई। यह घटना भद्रावती शहर के हुनसाकट्टे जंक्शन पर हुई। मृतकों की पहचान 32 वर्षीय बीरू और 30 वर्षीय सुरेश के रूप में हुई है।

दोनों अपने धान के खेत में कटाई के लिए तैयार फसल की रखवाली करने गए थे।इस दौरान बिजली गिरने से उनकी मौत हो गई। शवों को भद्रावती सरकारी अस्पताल भैज दिया गया है। भद्रावती ग्रामीण पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज किया है।

माता वैष्णो देवी के दर्शन करने पहुंचे क्रिकेटर हरभजन सिंह और श्रीसंत

कटड़ा/एजेंसी। मां वैष्णो देवी के दरबार में नमन के लिए क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कड़ी सुरक्षा के बीच मां वैष्णो देवी की प्राकृतिक पिंडियों के समक्ष नमन कर देश की खुशहाली की कामना की है।कटड़ा में पत्रकारों से बात करते हुए हरभजन सिंह ने कहा कि मां भगवती से आशीर्वाद लेने के लिए पहुंचे हैं। वहीं जम्मू में जारी लीजेंड्स लीग पर बात करते हुए सिंह ने कहा कि यह जम्मू के युवाओं के लिए क्रिकेट के हुनर को सीखने का एक सुनहरा अवसर है।

उन्होंने वर्ल्ड कप में भारत की हार पर कहा कि वह दिन टीम के लिए शुभ नहीं था। इससे पहले क्रिकेटर श्रीसंथ ने भी सह परिवार मां भगवती के दरबार में हाजिरी लगाते हुए नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

बता दें कि दिग्गज क्रिकेटर श्री संत तथा राहुल शर्मा मंगलवार तड×के आधार शिविर कटरा पहुंचे और वहां से हेलीकॉप्टर में समझ कर मां वैष्णो देवी के दिव्य दर्शनों को लेकर भवन की ओर रवाना हुए तो वही दिग्गज क्रिकेटर हरभजन सिंह मां वैष्णो देवी के नए ताराकोट मार्ग से कार में सवार होकर भवन के लिए रवाना हुए और तीनों दिग्गज क्रिकेटर मां वैष्णो के दिव्य दर्शन करने के उपरांत बाद दोपहर आधार शिविर कटरा वापस आकर जम्मू के लिए रवाना हो गए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना स्थल पर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

चमकता राजस्थान।

धौलपुर(रामदास तरुण) धौलपुर में 29 नवम्बर को जिला निर्वाचन अधिकारीअनिल कुमार अग्रवाल ने राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज स्थित मतगणना स्थल पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिले की चारों विधान सभाओं की मतगणना 3 दिसंबर को सुबह 8 बजे से प्रारंभ होनी है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना स्थल पर उपलब्ध आवश्यक सुविधाओं सहित मतगणना कक्ष में रिटर्निंग ऑफिसर, ऑब्जर्वर, पोस्टल बैलट काउंटिंग टेबल पर कार्यरत कार्मिक एवं काउंटिंग टेबल, वीवीपैट काउंटिंग बूथ कार्मिकों की चर्चा करते हुए पोस्टल बैलेट की गणना में विशेष सावधानी रखने को कहा। उन्होंने मतगणना स्थल पर व्यवस्थाओं को दुरस्त करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना स्थल पर मीडिया सेंटर की व्यवस्थाओं के निर्देश दिए। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी बाल कृष्ण तिवारी, सीईओ जिला परिषद सुदर्शन सिंह तोमर, आरओ धौलपुर मनीष कुमार सहित सामान्य व्यवस्थाओं में लगे कार्मिक उपस्थित थे।

बिहार में दो नाबालिगों के यौन उत्पीडऩ के आरोप में स्कूल कैब ड्राइवर गिरफ्तार

पटना/एजेंसी। बिहार के बेगुसराय जिले में पुलिस ने दो पांच वर्षीय लड़कियों के यौन उत्पीडऩ के आरोप में एक स्कूल कैब ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। घटना बेगुसराय के वीरपुर थाना अंतर्गत एक गांव की है। आरोपी ने दो लड़कियों को एक निजी स्कूल से घर छोडऩे के लिए ले जाने के बाद वारदात को अंजाम दिया।

रास्ते में आरोपी ने सुनसान जगह पर गाड़ी रोककर उनके साथ दुष्कर्म किया। उसने यौन उत्पीडऩ की वीडियो क्लिप भी बनाई और घटना के बारे में किसी को बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। अपराध को अंजाम देने के बाद कथित ड्राइवर ने दोनों लड़कियों को उनके घर छोड़ दिया।

पीड़ितों ने अपने माता-पिता को आपबीती बताई और जल्द ही लड़कियों में से एक के परिवार के सदस्य ने ड्राइवर का पीछा किया और उसे पकडऩे में कामयाब रहे। इसके बाद उन्होंने आरोपी ड्राइवर को पुलिस के हवाले कर दिया। इस घटना से गांव में भारी आक्रोश फैल गया और हिंसक भीड़ ने स्कूल कैब को आग लगा दी।

सदर बेगुसराय के एस.डी.पी.ओ. अमित कुमार ने कहा, वीरपुर की स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उस पर पोक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी तीन साल से निजी स्कूल से जुड़ा है। हम यह भी जांच कर रहे हैं कि आरोपी ने वीडियो क्लिप बनाई थी या नहीं। उन्होंने कहा, हमने स्कूल संचालक से यह स्पष्ट करने को कहा है कि उन्होंने आरोपी का सत्यापन किया है या नहीं।

फरीदकोट में संदिग्ध हालत में मिला बुजुर्ग का शव, पास ही पड़ी थी लाइसेंसी पिस्तौल

फरीदकोट/एजेंसी। फरीदकोट की भान सिंह कॉलोनी के रहने वाले निर्मल सिंह (70) का शव स्थानीय जहाज ग्राउंड के जंगली इलाके में संदिग्ध हालत में मिलने से सनसनी फैल गई। निर्मल सिंह को गोली लगी हुई थी और पास ही उसकी लाइसेंसी पिस्तौल पड़ी थी। यह पहली नजर में आत्महत्या का मामला माना जा रहा है। वहीं, पड़ोसियों को शक है कि निर्मल सिंह की हत्या की गई है क्योंकि मौके से उनका मोबाइल फोन भी नहीं मिला। पुलिस द्वारा मौके पर फॉरेंसिक टीम के साथ पहुंचकर जांच शुरू कर दी है तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौके पर पहुंचे मृतक निर्मल सिंह के पड़ोसी ने बताया कि पुलिस द्वारा सूचना दिए जाने के बाद वह यहां पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि मृतक का बेटा और बेटी विदेश में रहते हैं जो वह अपनी पत्नी के साथ अकेले यहां रह रहा था और कोऑपरेटिव सोसाइटी इंस्पेक्टर के पद से रिटायर हुआ था। इस मामले में थाना सिटी 2 के इंचार्ज जसवंत सिंह ने बताया कि पहली नजर में मामला आत्महत्या का लग रहा है। फिलहाल सभी तथ्यों की जानकारी इका कर जांच की जा रही है और जांच के बाद ही असल सच सामने आएगा।

इस बार राजस्थान में नहीं होगा सत्ता परिवर्तन:- डोटासरा

राजस्थान के मतदाताओं ने कांग्रेस के गुड गवर्नेंस और जनकल्याणकारी योजनाओं पर जताया भरोसा, भाजपा से दिखाई अपनी नाराज़गी

चमकता राजस्थान

जयपुर । (खलील कुरैशी) राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने दिल्ली प्रवास पर जाने से पूर्व बुधवार को जयपुर आवास पर उपस्थित पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राजस्थान के मतदाताओं ने लोकतंत्र के पर्व में अधिकाधिक संख्या में मतदान करते हुए पिछली बार हुए मतदान से अधिक संख्या में वोट डाला जिसके लिए सभी मतदाता साधुवाद के पात्र है। उन्होनें कहा कि प्रदेश में निर्वाचन आयोग में कार्यरत तथा अन्य विभागों के कार्यरत कार्मिक जिन्होंने प्रदेश के विधानसभा चुनावों को शातिपूर्वक सम्पन्न करवाने में अपनी भूमिका निभाई, वे भी धन्यवाद के पात्र है। उन्होनें कहा कि राजस्थान में सम्पन्न हुए विधानसभा चुनावों में प्रदेशवासियों ने राजस्थान सरकार की गुड गर्वनेन्स, कोरोना काल में हुए बेहतरीन प्रबन्धन जिससे लोगों के जीवन की रक्षा हुई, कोई भूखा नहीं सोया तथा राजस्थान सरकार ने जो बेहतरीन बजट एवं लोककल्याणकारी फ्लेगशिप योजनाएं लागू की जिन्हें न सि-र्फ राजस्थान बल्कि पूरे देश के लोगों ने सराहा है, के आधार पर राजस्थान के मतदाताओं ने कांग्रेस पर विश्वास जताया है। उन्होनें कहा कि राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों एवं गुड गर्वनेन्स का मॉडल देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है और देश की अन्य सरकारें इस गर्वनेन्स का अंगीकार करना चाहती है, इसलिए राजस्थान की जनता ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व तथा कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जो चार हजार किलोमीटर की यात्रा निकालकर मुद्दे उठाये उनका समर्थन करते हुए नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने के सिद्धान्त पर समर्थन जताते हुए अधिकाधिक मतदान करने हेतु प्रदेशवासियों ने प्रेरित होकर कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है। उन्होनें कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा लागू की गई 10 गाटिया तथा पुनः सरकार बनने पर 7 गारंटियां दी गई है उन पर जनता ने विश्वास कर अधिकाधिक संख्या में कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है। उन्होनें कहा कि राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की जो आपसी फूट व कलह थी जिसके कारण भारतीय जनता पार्टी के 7-8 लोग जो मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे थे, विपक्ष की भूमिका निभाने में असफल रहे जिससे जनता में भाजपा के प्रति नाराजगी देखी गई। दूसरी ओर कांग्रेस की सरकार द्वारा किए गए कार्य कांग्रेस के नेतृत्व तथा कांग्रेस की योजनाओं से प्रभावित होकर मतदाताओं ने अपना वोट डाला वह कांग्रेस के पक्ष में डाला तथा 03 दिसम्बर को मतगणना के पश्चात निश्चित रूप से प्रदेश में पुनः कांग्रेस की सरकार पूर्ण बहुमत के साथ बनेगी। उन्होनें कहा कि राजस्थान की सरकार द्वारा किए गए कार्य तथा सत्ता व संगठन के समन्वय के साथ कांग्रेस ने जनता के बीच रहकर सुख-दुःख में भागीदारी निभायी, जनता की सेवा की है, सरकार की योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया है, उन ऊर्जावान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बल पर कांग्रेस पार्टी प्रदेश में पुनः सरकार बनाएगी।

The CHARLIE CHAPLIN

चार्ली चैप्लिन

मूक सिनेमा का महानायक

चार्ली चैपलिन का नाम सुनते ही सभी के चेहरे पर मुस्कुराहट आ जाती है, क्योंकि उन्होंने जिंदगी में मुसीबतों और दर्द में भी लोगों को ठहाके लगाने की सीख दी थी। सर चार्ल्स स्पेंसर चैपलिन को बच्चा बच्चा भी चार्ली चैपलिन के नाम से जानता है। उनकी बातों में, अदाकारी में, लहजे में... यहां तक की उनके हर एक अंदाज में लोगों को हंसाने की कला छिपी हुई थी। उन्होंने अपना पूरा जीवन केवल लोगों की जिंदगी में खुशियां भरने में ही गुजार दी। आज चार्ली चैपलिन का जन्म दिवस है। चलिए इस मौके पर जानते हैं दिवंगत महान कलाकार से जुड़ी कुछ खास बातें...

चार्ल्स स्पेंसर चार्ली का जन्म 16 अप्रैल 1889 लंदन, इंग्लैंड में हुआ था। उनके पिता एक बहुमुखी गायक और अभिनेता थे; और लिली हार्ले के मंच नाम के तहत जाने वाली उनकी मां एक आकर्षक अभिनेत्री और गायक थीं, जिन्होंने लाइट ओपेरा क्षेत्र में अपने काम के लिए प्रतिष्ठा प्राप्त की थी। चार्ली के पिता की मौत के व×क्त उनकी उम्र केवल 10 वर्ष की थी और उनकी माँ की बीमारी के चलते उन्हें और उनके भाई को बहुत ही कम उम्र में काम करने पर मजबूर कर दिया था` अपने माता-पिता से विरासत में प्राकृतिक प्रतिभा प्राप्त करने के बाद, उन्होंने अपने करियर के लिए सबसे अच्छे अवसर के रूप में मंच को चुना। चार्ली ने द आठ लंकाशायर लाड्स नामक एक किशोर समूह के सदस्य के रूप में अपनी काम की शुरुआत की और तेजी से एक उत्कृष्ट टैप नर्तक के रूप में अपनी पहचान बना ली। 1910 में, चार्ली ने अमेरिका की यात्रा की और रोमांचकारी फिल्म उद्योग में अनुभव प्राप्त किया। यह अमेरिका में यहां था कि वह अपने पहले प्रसिद्ध पात्रों जैसे ट्रम्प – ट्रेडमार्क चार्ली चैपलिन के गेंदबाज टोपी, मूंछ और बीमार फिटिंग कपड़ों के चरित्र को विकसित करना था। इसी चरित्र के चलते चार्ली चैपलिन मूक युग का महान सितारा बन गया, और उसकी लोकप्रियता पूरी दुनिया में फैली।

चार्ली चैपलिन की उस समय पर जबरदस्त लोकप्रियता हो गयी थी। वो अपनी सभी फिल्मों के प्रोड्यूसर, राइटर और निर्देशक खुद ही थे। वह एक बहुत ही महान और अपने काम के प्रति बहुत समर्पित व्यक्ति थे और अपने साथ-साथ अपने अभिनेताओं को भी इसके लिए प्रेरित करते थे इसके लिए वो अपने अभिनेताओं से 100 बार तक एक शूट को करवा लेते थे। वे एक स्क्रिप्ट के लिए कठोर रूप से मेहनत करते थे। उनकी कुछ महान और प्रसिद्ध फिल्मों में शामिल हैं – सिटी लाइट्स (1931) और द ग्रेट डिक्टेटर (1940)। द ग्रेट डिक्टेटर हिटलर और मुसोलिनी के कुलपति तानाशाहों पर व्यंग्यवान फिल्म थी। चैपलिन ने खुद इसमें दो भूमिकाएं निभाई – जिसमे से एक यहूदी नाई की, जिस पर भेदभाव किया गया था। इसके साथ ही उन्होंने एडोनॉयड हिंकेल – टॉमियाना के तानाशाह एडॉल्फ हिटलर की स्पष्ट पैरोडी की भूमिका निभाई।

यह फिल्म जर्मनी के खिलाफ युद्ध में प्रवेश करने से एक साल पहले बनाई गई थी, जब अमेरिका में विरोधी-विरोधीवाद प्रभावित था, उस समय यह विवादास्पद था` इस फिल्म में हिटलर के विडंबना के बावजूद, चैपलिन ने सार्वजनिक रूप से 1942 में युद्ध के प्रयास का समर्थन करने से इंकार कर दिया – जिससे अधिकारियों ने अपने राजनीतिक झुकावों पर संदेह पैदा कर दिया। उन्हें अंततः 1972 में फिल्म संगीत के लिए ऑस्कर से सम्मानित किया गया था` उन्हें इस ऑस्कर पुरस्कार के लिए जनता द्वारा इतिहास में सबसे लंबे समय तक खड़े होकर अभिवादन से नवाजा गया` यह पुरस्कार चैपलिन की अंतिम फिल्म, हांगकांग (1967) से ए काउंटीस, फिल्म निर्माता की पहली और एकमात्र रंगीन फिल्म के पांच साल बाद उन्हें मिला था` इस फिल्म में सो×फया लॉरेन और मार्लन ब्रैंडो जैसे कलाकारों के होने के बावजूद, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ कमाल नहीं कर पायी` जब उन्हें 1975 में क्वीन एलिज़ाबेथ द्वारा नाइट की उपाधि से नवाजा गया था`
25 दिसंबर 1977 की क्रिसमस वाले दिन के शुरुआती समय में, चार्ली चैपलिन का स्विट्ज़रलैंड के घर में निधन हो गया था` उनके अंतिम समय में उनकी पत्नी ऊना और उनके सात बच्चे उनके साथ थें`

अपने शानदार अभिनय और लोगों को हंसाने की कला के लिए चार्ली चैपलिन को साल 1973 में ऑस्कर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही चार्ली ने कई पुरस्कारों को अपने नाम किया। बरसों तक लोगों को खुलकर हंसाने वाले चार्ली आखिरकार सबको रुला कर चले गए। उन्होंने 25 दिसंबर 1977 में 88 साल की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया। आज भले ही वह हमारे बीच ना हो, लेकिन उनके हंसाने का अंदाज आज भी देखने को मिलता है। आज भी मनोरंजन और ठहाकों का प्रतीक चार्ली चैपलिन को ही माना जाता है और कई फिल्मों, सीरियल्स और शोज में चार्ली चैपलिन के गेटअप में लोगों को हंसाया जाता है।

सांसद दिया कुमारी के प्रयास रंग लाये,पुष्कर-मेड़ता और रास-मेड़ता रेल लाइन को मंजूरी

नई दिल्ली

राजसमंद सांसद दिया कुमारी के अथक प्रयासों की बदौलत केन्द्रीय सरकार ने बुधवार को पुष्कर-मेड़ता और रास-मेड़ता रेल लाइन को स्वीकृति प्रदान कर दी। केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सांसद दिया कुमारी के फ़ोन पर इसकी जानकारी दी। दिया कुमारी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों की रेलवे लाइन प्रोजेक्ट राजसमंद लोकसभा क्षेत्र के विकास के लिए दूरगामी कदम साबित होगें। उन्होंने कहा कि वे दोनों रेल लाइन प्रोजेक्ट के लिए लंबे समय से प्रयासरत थी और अब उनके प्रयासों को सफलता मिली है। पुष्कर-मेड़ता रेलवे लाइन पूरी होने के बाद यात्रियों को बीकानेर से अजमेर और उदयपुर तक सीधी रेल सेवाएँ मिल पायेगीं।

59 किलोमीटर लंबी पुष्कर-मेड़ता रेल लाइन के लिए गत रेल बजट पुनः सर्वे करवाया गया और अब बहुप्रतिक्षित पुष्कर-मेड़ता रेल लाइन की स्वीकृति जारी हो गयी है। पुष्कर-मेडता रेलवे लाईन से धार्मिक नगरी पुष्कर और रामस्नेही संप्रदाय की रेण पीठ आने वाले श्रृद्धालुओं को भी रेल की सुविधा मिल पायेगी।

रेल मंत्रालय ने रास-मेड़ता के बीच क़रीब 47 किलोमीटर लंबी नयी रेलवे लाइन परियोजना को भी मंजूरी दी है। दिया कुमारी ने कहा कि रास और मेड़ता के बीच रेल लाईन बनने से इलाक़े के सीमेंट उद्योग और सीमेंट फैक्ट्रियों में काम करने वाले हज़ारों श्रमिकों को रेल सुविधा का लाभ मिल पायेगा। उन्होंने कहा कि रास-मेड़ता रेल लाइन इलाके में विकास के नये आयाम स्थापित करने में सहायक होगी। मावली-मारवाड़ रेल लाइन प्रोजेक्ट के साथ साथ सांसद दिया कुमारी पुष्कर-मेड़ता और रास-मेड़ता रेलवे लाइन प्रोजेक्ट को स्वीकृति दिलवाने के लिए अथक प्रयास किये।

संक्षिप्त समाचार

जाटव समाज के खिलाफ अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने वाले भाजपा प्रत्याशी बहादुर सिंह कोली विवादों के घेरे में।

- बहादुर सिंह कोली समाज से सार्वजनिक रूप से मांगे माफी-समय सिंह जाटव आमोली

चमकता राजस्थान। वैर (राजवीर सिंह) भाजपा प्रत्याशी ने बार-बार जाटव समाज के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग करने से जाटव समाज में काफी आक्रोश है। कोली पूरे जाटव समाज का अपमान कर रहे हैं। युवा जाटव समाज के प्रवीण कबीर, विजेंद्र उर्फ बंटी आजादपुरा ,समय सिंह जाटव आमोली अथवा अन्य युवाओं ने भी सोशल मीडिया पर लाइव आकर बहादुर सिंह कोली को ललकारा है और चेतावनी दी है। समय सिंह जाटव ने कहा कि मैं भी भाजपा का कार्यकर्ता हूं लेकिन कोई समाज का अपमान करें इसको हम बदर्शात नहीं कर सकते। हम बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के अनुयायी हैं। अमर्यादित भाषा का प्रयोग करना हमारे संस्कार में नहीं है।हमारा तो एक ही नारा है सबका साथ सबका विकास समय सिंह जाटव ने कहा चुनाव तो आते-जाते रहते हैं हम लोगों को भाईचारे से रहना है। कोई भी व्यक्ति एक समाज से नेता नहीं बन सकता सर्व समाज को साथ में लेकर चलना पड़ता है। इसलिए मेरा बहादुर सिंह कोली से निवेदन है कि वह समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांगे अन्यथा प्रणाम बहुत ही गंभीर होंगे।

पुलिस उपायुक्त (यातायात) ने बदलते मौसम में सुरक्षित वाहन संचालन के लिए आमजन से किया आग्रह

- सावधानी और नियमों के तहत चलाएं वाहन

चमकता राजस्थान। जयपुर, (खलील कुरैशी)29 नवंबर। पुलिस उपायुक्त (यातायात) आयुक्तालय जयपुर लक्ष्मण दास ने बदलते मौसम और हुई बरसात के कारण सड़क पर संभावित कोहरा/धुँध में वाहन चालकों को सुरक्षित वाहन संचालन के लिए आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि बदलते मौसम में सावधानी और नियमों से वाहन चलाकर दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है।
1. गाड़ी धीरे चलाएँ , बेवजह ओवरटेक न करें
2.कोहरे में गाड़ी चलाते समय दिन में भी पार्किंग लाइट जलाकर चलें ताकि दूसरे वाहन चालकों को आपकी कार दिख सके। 3. वाहन चलाते समय फोग लाइट का इस्तेमाल करें 4. अतिआवश्यक कार्य के लिए ही सफ़र पर जायें 5. रात्रि को और सुबह सवेरे जल्दी सफ़र पर न निकलें 6. सामने वाली गाड़ी से आवश्यक दूरी बनाकर चलें 7. हाइवे पर सड़क किनारे पट्टी का ध्यान रख कर चलें 8. रियर व्यू मिरर पर ध्यान दें 9.सभी यात्री सीट बेल्ट अवश्य लगायें
10.लिंक रोड्स से आने वाली गाड़ियों पर ध्यान देकर बचाव करें11. फ़्लाइओवर, हाईवे पर गाड़ी कभी न रोकें 12. मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें। बाहर की आवाज सुनने के लिए शीशा थोड़ा नीचे रखें।
13. लो बीम पर रखें लाइट। कोहरे में गाड़ी ड्राइविंग करते समय हेडलैम्प्स को हाई बीम पर न रखें, इससे कोहरे में रोशनी फैल जाती है और सामने कुछ नजर नहीं आता। 14. ऐसे कपडे पहने जिनसे लाइट रिफ्लेक्ट करे। रिफ्लेक्टिव जैकेट का यूज करे।

पर्यावरण की सुरक्षा के लिए नवाचार की पहल कर मनाया बच्चे का प्रथम जन्मदिवस

चमकता राजस्थान। किशनगढ़ (शंकर शर्मा,)=किशनगढ़ पाश्चात्य संस्कृति से परे हटकर एक जैन समाज के परिवार ने पर्यावरण की सुरक्षा की दिशा में अनूठा नवाचार की पहलकर अपने पुत्र का प्रथम जन्मदिन मनाया ।किशनगढ़ निवासी राहुल खुशबू चौरडिया ने अपने पुत्र धार्विक के प्रथम जन्मदिन पर केक काटने व पार्टी आयोजन से परे हटकर सनातन धर्म एवं राष्ट्र की संस्कृति को अपनाकर हवन का आयोजन कराया तथा बालक में उच्च संस्कारों का बीजारोपण एवं बालिकाओं के प्रति आदर भाव उत्पन्न करने के लिए कन्या पूजन करवाया । साथ ही पर्यावरण की रक्षा क्षैत्र में पहल करते हुए पौधारोपण कर नव स्थापित पौधे की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया ।इस पहल का सोशल मीडिया एवम क्षेत्रवासियों ने स्वागत करते हुए बच्चे के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सांसद भागीरथ चौधरी को पुष्कर मेड़ता रेल लाईन स्वीकृति की दूरभाष पर दी सूचना और बधाई

चमकता राजस्थान

किशनगढ़ (शंकर शर्मा) किशनगढ़ भाजपा अजमेर शहर जिला महामंत्री वेदप्रकाश दाधीच ने अवगत कराया कि पुष्कर मेड़ता रेल लाइन के बनने से बीकानेर एवम जोधपुर का सीधा संपर्क होगा अजमेर से, साँसद भागीरथ चौधरी ने लोकसभा में निरंतर उठाया था मुद्दा लंबे समय से पुष्कर मेड़ता रेल लाईन के बनने की मांग हो रही थी इस विषय पर अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान रेल मंत्री से इस सम्बंध में तारांकित प्रश्न के माध्यम से भी इस रेल लाइन को बनने की मांग रखी थी और इसके माध्यम से होने वाले फायदों से भी अवगत कराया, साथ ही रेल मंत्री के अजमेर आगमन पर भी पुष्कर मेड़ता रेल लाइन की मांग रखी थी, इस रेल लाइन के बनने से सम्पूर्ण उत्तरी भारत का अजमेर व गुजरात से सीधा सम्पर्क हो जायेगा जोधपुर, जैसलमेर, नागौर, बीकानेर का रेलमार्ग आमजन को उपलब्ध होगा। पुष्कर (अजमेर) से मेडता (नागौर) रेल लाईन प्रोजेक्ट के लिए गत वित्तिय वर्ष 2021-22 में ''केबिनेट कमेटी ऑफ इ़कोनोमिक अफेयर्स (सीसीईए) '' में आवश्यक बजट स्वीकृत कराने हेतु भागीरथ चौधरी के प्रयास अब रंग लाये है। आज केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा सांसद चौधरी को दूरभाष पर बधाई देते हुए इस रेल लाइन की स्वीकृति की सूचना दी, साँसद चौधरी ने रेल मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्रवासियों को इसकी बधाई दी है।

दलित समाज की दो बेसहारा लड़कियों की भामाशाहों में कराई शादी

चमकता राजस्थान

नदबई(राजवीर सिंह) नदबई क्षेत्र के गांव ऐंचैरा में दो दलित समाज की लड़कियों की शादी श्री कदमखंडी विकास समिति ऐंचैरा एवं भामाशाहो के सहयोग से बुधवार को हिन्दू रीति-रिवाजों अनुसार सात फेरे लेकर संपन्न हुई। कदमखंडी विकास समिति के कार्यकर्ताओं ने बताया कि जाटव समाज की दो भांजी के माता-पिता की मौत होने के बाद अपनी ननिहाल गांव में ऐंचैरा में ही मामा मामी व नाना के घर पर पालन पोषण कर एव पढ़ लिखा कर बड़ी हुई है। दोनों भांजी सोनम एवं मुस्कान की शादी उसके नाना ने हरियाणा के गांव हतियाना में तय कर दी गई परंतु नाना की गरीब स्थिति को देखते हुए ऐंचैरा गांव की श्री कदमखंडी विकास समिति एवं गांव के भामाशाहो के सहयोग से गांव की दोनों भांजियों की शादी आज धूमधाम से की गई। भामाशाह एवं कदमखंडी की विकास समिति के सहयोग से शादी में सोने चांदी के आभूषण सहित कपड़े एवं बर्तन, फ्रीज टीवी ,पंखा ,कपड़े धोने की मशीन, कुलर ,कुर्सी ,मेज,ड्रेसिंग टेबल, आलमारी, संदूक सहित शादी का सभी सामान दिया गया। और दोनों भांजियों की शादी धूमधाम से कर और बारातियों की अच्छी खातेदारी कर दोनों भांजियों को विदा किया गया विदाई के समय ग्रामीणों की आंखों के आंसू नहीं रोक सके तथा आसपास के ग्रामीणों ने गांववासियों व कदमखंडी विकास समिति की प्रशंसा की।

संविधान रचियता डॉ.बी.आर.अंबेडकर की प्रतिमा को असामाजिक तत्वों ने किया खंडित

- भीम आर्मी ने प्रशासन को तीन दिन में प्रतिमा को लगाने का दिया अल्टीमेटम

चमकता राजस्थान। वैर(राजवीर सिंह) वैर विधानसभा के गांव सलेमपुर कला में बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा को जातिवादी मानसिकता रखने वाले असामाजिक तत्वों ने प्रतिमा को खंडित कर दिया। जैसे ही क्षेत्र में बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा खंडित की खबर भीम आर्मी को लगी तब भीम आर्मी ने तुरंत सलेमपुर ग्राम में पहुंचकर मौका का जायजा लिया और खंडित प्रतिमा को 3 दिन में लगाने की बात कही और प्रशासन को तीन दिन का अल्टीमेटम दिया। प्रशासन ने भीम आर्मी एवं दलित समाज को आश्वासन दिया हम असामाजिक तत्वों के प्रति पूर्ण कार्यवाही करेंगे और महापुरुषों की प्रतिमाओं के साथ इस तरह के कृत्य करने वालों को सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी। दलित समाज ने चेतावनी देते हुए ये भी कहा कि यदि तीन दिन में बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा को नही लगाया तो जिले स्तर पर दलित समाज के तमाम स्तर पर जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर भीम आर्मी पूर्व अध्यक्ष सुमित अंबेश, भुसावर तहसील अध्यक्ष राजू भाई, नबाब, संभाग प्रभारी पुष्पेंद्र कौशल मौजूद रहे।

प्रदेश में पुनः कांग्रेस की सरकार पूर्ण बहुमत के साथ बनेगी : डोटासरा

चमकता राजस्थान। जयपुर (अत्री कुमार दाधीच)29 नवम्बर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने दिल्ली प्रवास पर जाने से पूर्व आज जयपुर आवास पर उपस्थित पत्रक- ारों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राजस्थान के मतदाताओं ने लोकतंत्र के पर्व में अधिकाधिक संख्या में मतदान करते हुए पिछली बार हुए मतदान से अधिक संख्या में वोट डाला जिसके लिए सभी मतदाता साधुवाद के पात्र है। उन्होनें कहा कि प्रदेश में निर्वाचन आयोग में कार्यरत तथा अन्य विभागों के कार्यरत कार्मिक जिन्होंने प्रदेश के विधानसभा चुनावों को शांतिपूर्वक सम्पन्न करवाने में अपनी भूमिका निभाई, वे भी धन्यवाद के पात्र है। उन्होनें कहा कि राजस्थान में सम्पन्न हुए विधानसभा चुनावों में प्रदेशवासियों ने राजस्थान सरकार की गुड गर्वनेन्स, कोरोना काल में हुए बेहतरीन प्रबन्धन जिससे लोगों के जीवन की रक्षा हुई, कोई भूखा नहीं सोया तथा राजस्थान सरकार ने जो बेहतरीन बजट एवं लोककल्याणकारी फ्लेगशिप योजनाएं लागू की जिन्हें न सिर्फ राजस्थान बल्कि पूरे देश के लोगों ने सराहा है, के आधार पर राजस्थान के मतदाताओं ने कांग्रेस पर विश्वास जताया है। उन्होनें कहा कि राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों एवं गुड गर्वनेन्स का मॉडल देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है और देश की अन्य सरकारें इस गर्वनेन्स का अंगीकार करना चाहती है, इसलिए राजस्थान की जनता ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व तथा कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जो चार हजार किलोमीटर की यात्रा निकालकर मुद्दें उठाये उनका समर्थन करते हुए नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने के सिद्धान्त पर समर्थन जताते हुए अधिकाधिक मतदान करने हेतु प्रदेशवासियों ने प्रेरित होकर कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है। उन्होनें कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा लागू की गई 10 गारंटिया तथा पुनः सरकार बनने पर 7 गारंटियां दी गई है उन पर जनता ने विश्वास कर अधिकाधिक संख्या में कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है। उन्होनें कहा कि राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की जो आपसी फूट व कलह थी जिसके कारण भारतीय जनता पार्टी के 7-8 लोग जो मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे थे, विपक्ष की भूमिका निभाने में असफल रहे जिससे जनता में भाजपा के प्रति नाराजगी देखी गई। दूसरी ओर कांग्रेस की सरकार द्वारा किए गए कार्य कांग्रेस के नेतृत्व तथा कांग्रेस की योजनाओं से प्रभावित होकर मतदाताओं ने अपना वोट डाला वह कांग्रेस के पक्ष में डाला तथा 03 दिसम्बर को मतगणना के पश्चात निश्चित रूप से प्रदेश में पुनः कांग्रेस की सरकार पूर्ण बहुमत के साथ बनेगी। उन्होनें कहा कि राजस्थान की सरकार द्वारा किए गए कार्य तथा सत्ता व संगठन के समन्वय के साथ कांग्रेस ने जनता के बीच रहकर सुख-दुःख में भागीदारी निभाते हुए जनता की सेवा की है, सरकार की योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया है, उन ऊर्जावान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बल पर कांग्रेस पार्टी प्रदेश में पुनः सरकार बनाएगी ।

पुलिस कमिश्नरेट जिला कार्यालयों के स्थान में परिवर्तन

चमकता राजस्थान। जयपुर, (खलील कुरैशी)29 नवंबर। पुलिस कमिश्नर श्री बीजू जॉर्ज जोसफ के निर्देशों पर कमिश्नरेट के तहत आने वाले जिला कार्यालयों के स्थान में परिवर्तन किया गया है।निर्देशानुसार पुलिस उपायुक्त (उत्तर) आयुक्तालय, जयपुर का कार्यालय कलेक्ट्रेट बनीपार्क के स्थान पर पूर्व होमगार्ड डी.जी. ऑफिस जलेब चौक जयपुर में, (2) पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) आयुक्तालय, जयपुर का कार्यालय पूर्व पुलिस उपायुक्त (उत्तर) आयुक्तालय, जयपुर के ऑफिस कलेक्ट्रेट बनीपार्क जयपुर में, (3) अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (उत्तर- द्वितीय) आयुक्तालय, जयपुर का कार्यालय पूर्व पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) आयुक्तालय जयपुर के ऑफिस मनी सचिवालय बनीपार्क जयपुर, (4) सहायक पुलिस आयुक्त शास्त्रीनगर, आयुक्तालय जयपुर का कार्यालय पूर्व अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) आयुक्तालय, जयपुर कलेक्ट्रेट बनीपार्क जयपुर में संचालित किया जावेगा।

चीन में श्वसन रोग के बढ़ रहे मामले चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड़ पर मॉक ड्रिल कर की गई स्वास्थ्य सुविधाओं जांच

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण) 29 नवम्बर को चीन में श्वसन रोग के मामलों में वृद्धि को देखते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड़ पर है मंगलवार को अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने वीसी के माध्यम से प्रदेश के चिकित्सा प्रबंधन को अलर्ट किया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की ओर से जारी पत्र एवं उपलब्ध सूचनाओं के अनुसार अभी तक स्थिति चिंताजनक नहीं है, लेकिन प्रदेशभर में संक्रामक रोगों की सर्विलेंस एवं रोकथाम के लिए चिकित्सा प्रबंधन पूरी सतर्कता के साथ कार्य करे। सभी चिकित्सा संस्थानों में जांच, दवा, उपचार आदि के समुचित इंतजाम सुनिश्चित हों। उन्होंने कहा कि जानकारी के अनुसार फिलहाल देश में इस बीमारी का एक भी मामला सामने नहीं आया है। फिर भी एहतियातन चिकित्सा तंत्र को मजबूत रखने की दृष्टि से सजगता बरती जा रही है। बुधवार को चिकित्सा संस्थानों में की गई मॉकड्रिल राज्य सरकार के निर्देश पर बुधवार को जिला अस्पताल, उप जिला अस्पताल, सीएचसी, पीएचसी पर मॉक ड्रिल कर स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा की गई। इसी क्रम में मुख्यालय स्थित जिला अस्पताल में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयंती लाल मीणा तथा प्रिंसिपल मेडिकल कॉलेज श्रीकांत असावा ने स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता की जांच की। साथ ही जिला स्तरीय अन्य अधिकारियो द्वारा जिला अस्पताल बाड़ी, राजाखेड़ा तथा खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारियों द्वारा अपने क्षेत्र के सामुदायिक तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मॉक ड्रिल कर स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता की समीक्षा की गई। सीएमएचओ डॉ. मीणा ने बताया कि इस मॉकड्रिल के दौरान बैड, जांच, दवा, एंबुलेंस, ऑक्सीजन प्लांट, सिलेंडर ,मानव संसाधन एवं आवश्यक उपकरणों आदि की मॉनिटरिंग की गई। भारत सरकार की ओर से इस बीमारी से बचाव के संबंध में जारी एडवाइजरी तथा चिकित्सा विभाग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि जानकारी के अनुसार फिलहाल देश में इस बीमारी का एक भी मामला सामने नहीं आया है। फिर भी एहतियातन चिकित्सा तंत्र को मजबूत रखने की दृष्टि से सजगता बरती जा रही है। चूंकि चीन में बच्चों में श्वसन रोग के मामले अधिक सामने आए हैं इसे देखते हुए शिशु रोग इकाइयों एवं मेडिसिन विभाग में उपचार के पर्याप्त इंतजाम करने के निर्देश दिये गये है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929